समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मार्च २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ०३

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की द्वितीय बैठक संपन्न

१७ मार्च २०२४ : हरिद्वार में आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक संपन्न हुई। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजीत जालान, मधुसूदन सीकरिया, डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान व प्रांतीय अध्यक्ष उत्तराखंड संतोष खेतान एवं अन्य सदस्यगण।

पूर्वोत्तर दौरे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का अभिनंदन समारोह

२९ फरवरी २०२४: पूर्वोत्तर दौरे के बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का बंगाईगाँव में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाशचंद काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, बंगाईगाँव शाखाध्यक्ष राजेन्द्र हरलालका, मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष सरजीत सिंह भारी तथा सहायक मंत्री ईस्मिता शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी।

बधाई !

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार अग्रवाल

30 मार्च
राजस्थान
थरपणा दिवस री हियैतणी
बधाई अर शुभकामनावां

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ मार्च २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक ३
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ६
  मतदान – हमारा कर्तव्य एवं अधिकार
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ७
  मेरा पूर्वोत्तर एवं उत्तराखंड दौरा-अपूर्व अनुभूतियाँ
- **रपट**
  राष्ट्रीय पदाधिकारियों का पूर्वोत्तर दौरा ८-१६,२१
  अखिल भारतीय समिति की दूसरी बैठक २२-२३
  जहाँ सुमति तहँ संपति नाना विषयक संगोष्ठी २६

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

वैदिक कालीन पर्व है होली, महाशिवरात्रि पर्व १७
प्रेरक प्रसंग, ज्ञान गंगा, बूझो तो जानें १८
कोशिश, अंधविश्वास का पर्दाफाश १९
मारवाड़ी भाषा सीखें २०

- **प्रादेशिक समाचार**
  गुजरात, उत्कल, दिल्ली, तमिलनाडु २९-३०
- **आलेख**
  विद्धता, त्याग और तप की प्रतिमूर्ति ३१
  उपलब्धियाँ ३२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

मतदान अवश्य करें

समाज-बंधुओं से निवेदन है कि आसन्न चुनाव में बिना किसी प्रलोभन एवं संकीर्णता से प्रभावित हुए मतदान करने के अपने अधिकार का अवश्य प्रयोग करें। यह हमारा कर्तव्य भी है।

स्वयं भी मतदान करें, परिवार एवं साथियों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित भी करें।

शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

तू वोट कर

समय खड़ा है सामने जो कह रहा है लौट कर
तू वोट कर, तू वोट कर, तू वोट कर।

यह मूल मंत्र यंत्र का, यह मंत्र लोकतंत्र का
यह देश हित का सूत्र है तू देश हित में वोट कर
तू वोट कर, तू वोट कर, तू वोट कर।

यह फर्ज रहे ध्यान में, लिखा है संविधान में
अगर कोई भी बात तेरा, मन गई कचोट कर
तू वोट कर, तू वोट कर, तू वोट कर।

यह प्रश्न तेरे बल का है, सवाल तेरे कल का है
समय ये फैसले का, फिर से आ गया है लौट कर
तू वोट कर, तू वोट कर, तू वोट कर।

दिशा बदल दशा बदल या फिर उसी दिशा में चल
तुझी में सिद्धियाँ हैं सब, तू बज्र है तू चोट कर
तू वोट कर, तू वोट कर, तू वोट कर।

यह लोक हित का पर्व है, यह पर्व तेरा गर्व है
अलख उठा, कलम उठा, कलम उठा के नोट कर
तू वोट कर, तू वोट कर, तू वोट कर।

यह फर्ज तू निभाएगा, कि वोट देने जाएगा
कसम उठा, बटन दबा, बटन दबा के वोट कर
तू वोट कर, तू वोट कर, तू वोट कर।

– अलोक श्रीवास्तव

इस अंक में स्थानाभाव के कारण पूर्वोत्तर एवं उत्तराखंड दौरा के कुछ विवरण अगले अंक में दिए जाएँगे।

मतदान – हमारा कर्तव्य एवं अधिकार

राम राम।

लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग दिनों में चुनाव संपन्न होने वाला है। चुनाव की मतगणना ४ जून को होगी। उसके पहले सभी प्रांतों में चुनाव संपन्न हो जाएगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है राजनीतिक चेतना। इसके तहत सम्मेलन समाज में राजनीतिक चेतना का प्रचार-प्रसार करता आया है। इस बार के चुनाव में अपनी राजनीतिक चेतना समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि पूरे देश में जहाँ-जहाँ भी हमारी आवाज पहुँचती है, वहाँ सभी समाज से हम लोग आग्रह करते हैं कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें एवं साथियों को भी उत्साहित करें मतदान करने के लिए। साधारणतया यह देखा जाता है कि गैर हिंदी प्रदेशों में जहाँ-जहाँ पर हिंदी भाषी समाज-बंधु रहते हैं वहाँ अन्य केंद्रों की अपेक्षा मतदान कम होता है। यह समझना होगा कि हमारे समाज के विषय में यह एक छवि बन गई है कि हमलोग मतदान के प्रति उदासीन रहते हैं। हमें समझना होगा कि जब तक हम अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे तब तक चुनाव के रिजल्ट पर हमारा प्रभाव कम रहेगा। अगर हमारा प्रभाव कम रहता है तो हमारी आवाज कमजोर हो जाती है। हमें इस बात का ध्यान रखना है कि सम्मेलन किसी भी पार्टी विशेष का न तो समर्थन करती है ना विरोध करती है। सम्मेलन सिर्फ समाज-बंधुओं को मतदान करने के लिए आवेदन कर रही है। कोई भी समाज-बंधु अपने इच्छा के अनुसार किसी भी राजनीतिक दल को या निर्दलीय उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं।

सारा काम छोड़कर पहले मतदान करें, फिर जलपान। मतदाताओं से अपील है कि वे किसी लालच में आए बिना निर्भीक होकर भयमुक्त वातावरण में मतदान करें। संविधान में हमें मतदान का अधिकार मिला है। मतदाताओं से अपील है कि वह मतदान के इस उत्सव में जरूर हिस्सा लें। खुद मतदान करें, दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। लोकतंत्र का यह उत्सव बार-बार नहीं आता है। इस उत्सव में भाग लें और भारी मतदान कर एक संदेश दें। साथ ही पसंद की सरकार भी चुनें। मतदान हमारा अधिकार और कर्तव्य भी है। मतदान जरूर करें।

यहाँ कुछ दिशानिर्देश दिए गए हैं, जो सभी के लिए सहायक हो सकते हैं:

हम सभी प्रांतों से अनुरोध करते हैं कि इस विषय में एक जोरदार अभियान अपने-अपने क्षेत्र में चलाएँ और समाज-बंधुओं को प्रेरित करें ताकि शत-प्रतिशत मतदान करने की कोशिश करें। इसके लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा रहे हैं:

१. जहाँ-जहाँ पर भी समाज-बंधु ज्यादा संख्या में रहते हैं वहाँ पर पोस्टर एवं बैनर के द्वारा मतदान से संबंधित स्लोगन का प्रदर्शन किया जाए।
२. एक संगोष्ठी के द्वारा भी जो समाज में प्रतिष्ठित लोग हैं उनको बुला करके उनसे राय ली जाए और उनके विचारों को समाज-बंधुओं में प्रचारित किया जाए।
३. आजकल समाज सोशल मिडिया के उपयोग पर ज्यादा जोर देता है। हमें व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक या इंस्टाग्राम पर पोस्टर, बैनर इत्यादि बनाकर प्रत्येक ग्रुप में जागरूकता फैलाएँ, समाचार की तरह प्रकाशित करें। साथ ही इस बात का ध्यान रहें की ये पोस्टर एवं बैनर प्रांत की क्षेत्रीय भाषा में भी बनें।
४. अपने समाज के वयस्क मतदाताओं को छोटी-बड़ी बैठकों में बुलाकर उनको मताधिकार के बारें में जागरूक करें।
५. छोटे-छोटे वीडियो रील बनाकर जो आजकल सोशल मीडिया पर बहुत ही व्यापक पैमाने पर लोगों द्वारा देखा जाता है। इससे भी मतदाताओं को जागरूक कराया जा सकता है।
६. प्रिंट मिडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जागरूक कराया जा सकता है।
७. अकसर यह देखा जाता है कि महिलाएँ मतदान के दिन भी घर के कार्यों अथवा अन्य कारणों से मतदान के लिए जाने से रह जाती हैं। इस विषय में भी विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।

मतदान दिवस पर

- निडर होकर अपना वोट डालें।
- अन्य सभी को भी स्वतंत्र रूप से वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करें।
- ऐसे उम्मीदवार (या जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व किया जा रहा है) को वोट दें, जो **भ्रष्ट, आपराधिक, सांप्रदायिक और जातिवादी नहीं है; कट्टरपंथी, फाँसीवादी, धर्मांध न हो**।
- यदि आप कोई फर्जी मतदान, धांधली या बूथ कैप्चरिंग देखते हैं, तो इसे तुरंत पुलिस या चुनाव अधिकारियों के संज्ञान में लाएँ और अधिमानत: लिखित रूप में।
- सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (**ईवीएम**) सही ढंग से काम करती है (ईवीएम के हैक होने की संभावना के संबंध में काफी विवाद/बहस है)
- **आपको नियम ४९ - ओ** के तहत 'उपर्युक्त में से कोई नहीं' (**नोटा**) के रूप में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अधिकार है।

ऐसा कहा जाता है कि 'शाश्वत सतर्कता ही स्वतंत्रता की कीमत है', **वोट देने के अधिकार** का प्रयोग इस दिशा में पहला कदम है। इस लेख/जानकारी को अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा/प्रसारित/प्रकाशित/पोस्ट करें; इसका स्थानीय भाषाओं में अनुवाद करें।

हम सभी जानते हैं कि आने वाला आम चुनाव देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा। स्वयं को पर्याप्त रूप से तैयार करना; वोट देने के अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करना और यह महसूस करना कि यह एक पवित्र कर्तव्य भी है। अपने प्यारे भारत के जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम जो कम से कम कर सकते हैं वह है!

मेरा पूर्वोत्तर एवं उत्तराखंड दौरा - अपूर्व अनुभूतियाँ

पिछले दिनों असम दौरे पर ६ दिनों की यात्रा में १७०० किलोमीटर गाड़ियों से उतरते-बैठते ९ सभाओं एवं तीन शाखा भ्रमण के मध्य पूरी की। इस यात्रा के दौरान सुखद अनुभूतियाँ हुई, जो इस प्रकार है:

– पूर्वोत्तर का समाज जागरूक समाज है, संगठन एवं सम्मेलन के महत्व को समझता है।

– समाज स्थानीय समाज के साथ अभी भी तालमेल बैठाने की प्रक्रिया जारी है।

– डिब्रूगढ़ जैसे स्थानों में सांस्कृतिक मूल्यबोध का प्रभाव अधिक है। श्री देवी प्रसाद बागड़ोदिया के साथ उनके व्यक्तिगत संग्रहालय में विरासत के धरोहर देखने को मिले। इस प्रकार का संग्रहालय अद्वितीय है। श्री बागड़ोदिया असमिया समाज एवं भाषा के साथ निकट हैं।

– लखीमपुर में रात के ११.३० बजे तक सभा में समाज-बंधु बैठे रहे। वहाँ पर इस बात का हर्ष एवं क्षोभ दोनों था कि सन १९८४ में तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय नंदकिशोर जी जालान के बाद किसी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह पहला शाखा भ्रमण था। उत्तर लखीमपुर छोटा शहर होते हुए भी जागरूकता में कमी नहीं है। श्री उमेश खंडेलिया एक चिंतक एवं असमिया समाज एवं भाषा के साथ निकटता रखते हैं। समाज को स्थानीय समाज के साथ तालमेल के लिए वह कार्य कर रहे हैं।

– सभी स्थानों में श्रोताओं के साथ मैंने संवाद स्थापित करने का यथासंभव प्रयास किया एवं श्रोताओं के प्रतिक्रियाओं से महसूस हुआ की कुछ हद तक इसमें सफलता भी मिली है।

– सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि सम्मेलन के प्रति सम्मान का द्योतक है।

– अरूणाचल प्रदेश में बंदरदेवा शाखा की कहानी अत्यंत रोचक है। इस जगह करीब १५ परिवार हैं। इन परिवार के लगभग सभी वयस्क सदस्य सम्मेलन के सदस्य हैं। इस प्रकार यहाँ एक महिला शाखा मिलाकर दो शाखाएँ हैं। इस शाखा में एक बुजुर्ग महिला सदस्य श्रीमती ललिता जालान हैं जिनकी उम्र ८३ वर्ष की है। जानकर कौतुहल हुआ। मैंने उनसे मुलाकात कर उनसे बातचीत की। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण वह विगत रात की सभा में शामिल नहीं हो पाई। उन्होंने सम्मेलन के कार्यों को बहुत अच्छा बताया एवं बहुत प्रसन्न मुद्रा में उन्होंने बातचीत की।

– स्थानीय लोगों में प्री-वेडिंग शूट एवं अन्य समाज-सुधार के मुद्दों पर जागरूकता है। वे चाहते हैं कि सम्मेलन इनको बंद करवाने में अपनी भूमिका निभाए।

मार्च महीने में अखिल भारतीय समिति की बैठक उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अतिथ्य में हरिद्वार में आयोजित की गई। अत्यंत आत्मीयता के साथ पूरी व्यवस्था का सुचारू रूप से आयोजन किया गया, जिसके लिए उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष एवं वर्तमान में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान, प्रांतीय अध्यक्ष श्री संतोष खेतान, महामंत्री श्री संजय जाजोदिया एवं अन्य सभी पदाधिकारी एवं सदस्य के हम आभारी हैं। पूरे आयोजन की व्यवस्था की, सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस बैठक के बाद स्थानीय शीलाकोई एवं रुड़की से भी प्रस्तावित सदस्यों एवं समाज-बंधुओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भी उपस्थिति उत्साहवर्धक थी। समाज-बंधुओं एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों के बीच विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ। सम्मेलन के बारे में जानकारी दी गई। अंत में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न **'सम्मेलन का सदस्य होने से क्या लाभ है'** पर विस्तृत चर्चा हुई और इस विषय पर हमने अपने विचार रखें, जिनका स्वागत हुआ। दूसरे दिन प्रातः ऋषिकेश में नई शाखा खोलने के उद्देश्य से वहाँ पर श्री गोविंद अग्रवाल के निवास पर स्थानीय समाज-बंधुओं के साथ बैठक हुई। **कुल मिलाकर उत्तराखंड की यात्रा को सार्थक करने का श्रेय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान को जाता है। उनके ही नेतृत्व में २०१२ में प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना हुई थी।** इतने दिनों के निरंतर प्रयास के बाद प्रांतीय गतिविधियों में पंख लगते हुए दिख रहे हैं। दीर्घ १२ वर्ष यानी एक युग के बाद यहाँ पर अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित की गई। निश्चय ही उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के लिए एक नए युग की शुरुआत है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि जल्द ही शाखाओं का और भी विस्तार होगा। वहाँ पर मैं वादा करके आया हूँ कि उत्तराखंड के अगले दौरे पर सभी शाखाओं का भ्रमण करने के लिए मुझे उनके आमंत्रण की प्रतीक्षा रहेगी। नए-नए मित्र बनाने का मुझे दुर्लभ अवसर मिल रहा है, नए-नए अनुभव हो रहे हैं। मेरे जीवन के मूल्य एवं मूल्यबोध में बढ़ोतरी हो रही है, निश्चय ही ईश्वर की यह कृपा है।

होली का पावन पर्व हम मनाने जा रहे हैं। होली रंगों का त्योहार है। भिन्न-भिन्न रंगों का भिन्न-भिन्न महत्व होता है। हमारे जीवन को प्रेम रंग से सराबोर करने आ रही है होली। स्नेह एवं आत्मीयता से भरपूर सभी को मेरी रंगारंग शुभकामनाएँ। होली है!

शिव कुमार लोहिया

शिलांग शाखा में सभा

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया और राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी २४ मार्च को शिलांग दौरे पर पहुँचे। राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के स्वागत के लिए शिलांग राजस्थान विश्राम भवन में एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर शिलांग मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े सभी पदाधिकारी और समाज-बंधु उपस्थित थे। अतिथियों एवं सम्मेलन पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर बैठक की शुरुआत हुई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने सम्मेलन की स्थापना का संक्षिप्त परिचय करवाते हुए कहा कि सम्मेलन समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है, इसके परिचय से ही इसकी उपादेयता को समझा जा सकता है। सम्मेलन कार्य-बल, तपो-बल, संकल्प-शक्ति के साथ समाज के लिए काम कर रहा है। आज हम सम्मेलन के ध्येय वाक्य **'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र की प्रगति'** एवं इस सत्र के ध्येय वाक्य **'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज'** की अवधारणा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सम्मेलन समाज-सुधार, संस्कार-संस्कृति चेतना, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक चेतनता को साकार करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि सम्मेलन ने अपने स्थापना काल से ही समाज की कई समस्याओं का निवारण किया है। आज भी कई नई-नई विसंगतियाँ उत्पन्न हो रही हैं, इनका भी हमें चुनौती के साथ निवारण करना है। श्री लोहिया ने सभी समाज-बंधुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। इस बैठक की जानकारी पवन शर्मा ने मीडिया को दी।

गुवाहाटी में राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व का सम्मान

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा, कामरूप शाखा, गुवाहाटी महिला शाखा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री के गुवाहाटी आगमन पर सम्मान समारोह आयोजित की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सीकरिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, मंडलीय सहायक मंत्री माखनलाल अग्रवाल, गुवाहाटी शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका, कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता और महिला शाखा की अध्यक्ष संतोष शर्मा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथियों के सम्मान की कड़ी में प्रदीप भुवालका ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को साफा, दिनेश गुप्ता ने फुलाम-गमोछा, संजय खेतान ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया। संतोष शर्मा ने भगवान गणेश की प्रतिमा राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेंट की। निरंजन सीकरिया ने फुलाम-गमोछा, सूरज सिंघानिया ने पुष्प-गुच्छ देकर राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी का सम्मान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष का अग्रवाल सभा, अग्रवाल युवा परिषद, मारवाड़ी युवा मंच द्वारा भी सम्मान किया गया। सभा में उपस्थित सदस्यों ने अपनी-अपनी जिज्ञासा राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष रखी, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने जवाब से सभी को संतुष्ट किया और कुछ सुझाव पर विचार करने का आश्वासन दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तीनों शाखाओं को प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। बालिका छात्रावास के लिए अनुदान देने वाले सदस्यों को भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फुलाम-गमोछा पहनाकर सम्मानित किया। अंत में प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
• Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
• Conductor and groundwire accessories
• HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
• OPGW cable fittings
• Pole/Distribution line hardware
• AB Cable and ADSS cable accessories
• Substation clamps and connectors
• Conductor, Insulator and hardware testing facility
IAC ELECTRICALS PVT LTD
Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

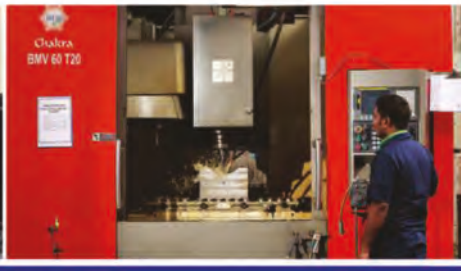

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

जोरहाट शाखा में सभा

समाज की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, संयुक्त मंत्री मनोज काला, संगठन मंत्री विमल अग्रवाल, सहित प्रांतीय पदाधिकारियों ने सांगठनिक दौरे के क्रम में २६ मार्च को जोरहाट पहुँचे। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के स्वागत में जोरहाट शाखा ने सत्संग भवन में एक सभा का आयोजन किया। सभा में मंडल 'ख' की अन्य शाखाएँ गोलाघाट, डेरगाँव, मरियानी, टियोक व शिवसागर शाखा के प्रतिनिधियों के साथ मारवाड़ी युवा मंच व प्रगति शाखा के प्रतिनिधियों ने भी शिरकत की। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज-बंधुओं की उपस्थित रही। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। अन्य शाखाओं के प्रतिनिधियों, मारवाड़ी युवा मंच जोरहाट शाखा तथा प्रगति शाखा की ओर से भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया गया।

स्वागत भाषण देते हुए शाखाध्यक्ष चंचल कुंडलिया ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए शाखा की संक्षिप्त जानकारी दी। वहीं शाखा मंत्री मनोज करनानी ने जोरहाट शाखा की अब तक की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। मंडलीय सहायक मंत्री विनोद बजाज ने जोरहाट शाखा के महाअभियान समाज-गणना पर प्रकाश डालते हुए अभियान की प्रक्रिया और इसे पूर्ण करने के सफर को साझा किया।

प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के छह दिवसीय दौरे की जानकारी दी। श्री काबरा ने जोरहाट मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी को सामाजिक एकता की मिसाल व पूर्वजों की दूरदृष्टि का उदाहरण बताया तथा प्रांत के महनीय प्रोजेक्ट गर्ल्स हॉस्टल की प्रगति रिपोर्ट सभा में रखते हुए इसकी आवश्यकता को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि जिस प्रकार राम मंदिर निर्माण के लिए समाज ने मुक्तहस्त दान दिया, उसी प्रकार इस पुनीत कार्य के लिए दानदाता आगे आएँ।

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने राष्ट्रीय प्रकल्पों की जानकारी देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में सहयोग, रोजगार में सहयोग और व्यापार में बढ़ावा देने के साथ ही विवाह योग्य युवक-युवतियों की जानकारी सम्मेलन की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जा रही है। श्री तोदी ने सम्मेलन के प्रकल्पों की जानकारी हेतु समाज-बंधुओं से सम्मेलन की वेबसाइट से जुड़े रहने का निवेदन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में सम्मेलन के प्राण-पुरुष ईश्वरदास जालान व जमनालाल बजाज को याद करते हुए कहा कि समाज को इनसे प्रेरणा लेते हुए समाज व राष्ट्र के कार्यों में भी रुचि रखनी चाहिए। वहीं श्री लोहिया ने मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रांगण को समरसता व समन्वय की मिसाल बताते हुए इसे सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण बताया। नई शाखा के गठन एवं समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मेलन से जोड़ने पर बल दिया। इसी दौरान गोलाघाट के उद्यमी जुगल किशोर मालपानी को गर्ल्स हॉस्टल निर्माण में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंडल 'ख' के सभी शाखाओं की सक्रियता और कार्य-कुशलता हेतु सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कमल बगड़िया और बनवारी राठी जोरहाट शाखा से सम्मान पाने वालों में शामिल रहे। मंडलीय सहायक मंत्री विनोद बजाज व शाखा मंत्री मनोज करनानी, गोलाघाट के जगदीश शर्मा, मरियानी से प्रह्लाद राय अग्रवाल (मास्टर जी), टियोक से बीजू तुनवाल और शिवसागर से रूपचंद करनानी को पुरस्कृत किया गया। सभा के संचालन कमल बगड़िया ने किया। प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

जागीरोड शाखा का गठन

२५ फरवरी को जागीरोड जैन मंदिर के सभागृह में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, जागीरोड शाखा की सभा आयोजित हुई। सभा में जागीरोड शाखा का गठन किया गया। जागीरोड के मारवाड़ी समाज ने सर्वसम्मति से प्रमोद गोलछा को अध्यक्ष और आनंद जैन को उपाध्यक्ष मनोनीत कर जागीरोड शाखा का गठन एवं शपथ समारोह हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला, कामरूप महानगर शाखा के कार्यकर्ता, नगाँव जिला शाखा के कार्यकर्ताओं समेत जागीरोड के अशोक जैन, हनुमान चांडक, सुनील जैन, राजेश चांडक, संजू अग्रवाल, रामनारायण अग्रवाल, मनोज जैन एवं अन्य समाज-बंधु उपस्थित थे।

राष्ट्रीय नेतृत्व ने मोरानहाट शाखा का दौरा किया

२६ फरवरी को मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय नेतृत्व ने अपने व्यस्ततम कार्यक्रम में से कुछ समय निकालकर मोरानहाट शाखा का दौरा किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, प्रांतीय महामंत्री बिनोद लोहिया, प्रांतीय संगठन मंत्री बिमल अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला और मोरानहाट शाखा के बिरेन अग्रवाल ने अपनी उपस्थिति से शाखा का आतिथ्य स्वीकार किया।

विवाह भवन के कार्यालय में आयोजित सम्मान बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व का जहाँ दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया, वहीं प्रांतीय नेतृत्व का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

इस दरम्यान बिमल जी द्वारा सभी राष्ट्रीय और प्रांतीय पदाधिकारियों का संक्षिप्त परिचय करवाया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री ने अपने संबोधन में जहाँ सम्मेलन के डिजिटलाइजेशन की जानकारी देते हुए विभिन्न प्रकल्पों से सभी को अवगत कराया वहीं पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन के विस्तार पर जोर दिया तथा राजस्थानी भाषा को पहले अपने-अपने घरों में बोल-चाल में प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने शादी-विवाह का आयोजन दिन के समय किए जाने पर जोर देते हुए इसे शास्त्र सम्मत तो बताया ही। साथ ही इससे होने वाले फायदे के रूप में कम खर्च में यह धार्मिक संस्कार संपन्न होगा और मद्यपान से भी बचाव हो सकेगा की तरफ इशारा किया। प्रांतीय अध्यक्ष ने कम से कम १२ वीं क्लास तक बच्चों को हॉस्टल की बजाय अपने साथ रखकर अपनी देखरेख में पढ़ाने पर जोर दिया। जिससे फायदा ये होगा कि एक तो बच्चे नॉनवेज की चपेट में आने से बचेंगे और दूसरे वो अपने संस्कार, अपनी भाषा, अपने रिश्तों की अहमियत को समझेंगे और परिणाम स्वरूप पढ़-लिखकर बच्चे परिवार से अलग-अलग जाकर बसने की बजाय परिवार के साथ रहना पसंद करेंगे।

दूसरे में वर्तमान शादी-विवाह की ज्वलंत समस्या के मद्देनजर अब हमें अपने बच्चों की शादियाँ भरसक २२ से २५ वर्ष की उम्र में कर देनी चाहिए। सचिव छगन माड़ोदिया ने सभी राष्ट्रीय तथा प्रांतीय पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें साधुवाद दिया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष

दिनेश कुमार अग्रवाल

ओडिशा के संबलपुर निवासी दिनेश अग्रवाल ने वाणिज्य में स्नातक गंगाधर महाविद्यालय, संबलपुर से पूरी की।

दिनेश अग्रवाल ने शुरू से ही व्यवसाय एवं सामाजिक सेवा में अपनी रुची बनाए रखी है। इन्होंने बहुत ही महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं। संबलपुर रेलवे डिवीजन में सलाहकार समिति के सदस्य, संबलपुर मर्चेंट एसोसिएशन के सलाहकार, संबलपुर टेलीकॉम सलाहकार समिति के सदस्य, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय सलाहकार समिति के सदस्य, मारवाड़ी सम्मेलन संबलपुर के अध्यक्ष, प्रांतीय सचिव एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष के पद पर कार्य किया है।

इसके अलावा वर्तमान में सी.ए.आई.टी. के संबलपुर चेयरमैन, हरियाणा नागरिक संघ संबलपुर चेयरमैन, अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष, मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला खेतराजपुर, मारवाड़ी सेवा सदन, संबलपुर के ट्रस्टी तथा विभिन्न संस्थाओं में कार्यरत हैं।

आप १७ मार्च २०२४ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के उत्कल प्रांत से निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूँगटा का वाराणसी दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूँगटा के वाराणसी दौरे में उत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन की वाराणसी शाखा के सदस्यों, प्रांतीय एवं शाखाओं के वर्तमान व पूर्व के पदाधिकारियों के साथ सांगठनिक बैठक कर सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

सावधान !

इन दिनों भिन्न-भिन्न तरीकों से रुपये ठगने का गलत धन्धा चल रहा है। उदाहरणस्वरूप आपके पास किसी का फोन आ सकता है, जिसमें आपके किसी परिचित का नाम और फोटो फोन करने वाले के स्थान पर हो सकता है। अपने को उस परिचित का पारिवारिक सदस्य बताकर मुसीबत में होने की वजह से पैसे मांग सकता है, या अन्य किसी तरीके से ठगने का प्रयास कर सकता है, कृपया किसी के चक्कर में न पड़ें तथा सावधान रहें।

डिब्रूगढ़ में भव्य समारोह आयोजित

मारवाड़ी समाज के उपलब्धियों की जानकारी जन-जन तक पहुँचाएँ - श्री लोहिया

पूर्वोत्तर दौरे पर आए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी तथा प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, प्रांतीय संगठन मंत्री विमल अग्रवाल (मोरान), प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला एवं बिरेन अग्रवाल (सेपोन) का २६ फरवरी को हनुमान सिंघानिया रोड स्थित होटल 'टी सिटी' डिब्रूगढ़ में भव्य स्वागत हुआ। पदाधिकारियों के सम्मान में डिब्रूगढ़ शाखा ने एक सभा का आयोजन किया। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात सभी पदाधिकारियों को मंचासीन करवाया गया। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों का फुलाम गमोछा, दुपट्टा, शॉल, झापी आदि भेंटकर स्वागत, सम्मान किया गया। सभा की अध्यक्षता शाखाध्यक्ष कैलाश धानुका ने किया। मंडल के उपाध्यक्ष डॉ. महेश कुमार जैन ने मंडल की ओर से स्वागत भाषण द्वारा सभी उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा ने सारगर्भित उद्बोधन के माध्यम से सम्मेलन के लक्ष्य, उद्देश्य, चल रहे समाजहित के कार्यों और भविष्य की परिकल्पना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। मन में आत्मियता के भाव जब प्रबल होते हैं। तब अपनों से मिलने की आतुरता, उत्सुकता दूसरे विकार को ऊपर नहीं उठने देती, समाज परिवार से मिलना सौभाग्य की बात है। जहाँ अनजान, अपरिचित भी अपनों से अधिक प्रिय हो जाता है तथा हम सबकुछ भूलकर उनके स्वागत में पलक-पांवड़े बिछाए खड़े हो जाते हैं। ये संस्कार ही मारवाड़ी समाज की विशेषता है तथा सम्मेलन का आधार भी। उन्होंने आगे समाज-बंधुओं से दिन में विवाह करने की भी अपील की। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने अपना संबोधन रखा तथा इस दौरे के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। आगे श्री तोदी ने सम्मेलन के अंतर्गत चल रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। और सभी से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। तदोपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने अपना संबोधन मारवाड़ी में रखते हुए बढ़ते तलाकों की समस्या, बच्चों की शिक्षा, सम्मेलन द्वारा उच्च शिक्षा में दिए जाने वाले छात्रवृत्ति की सुविधा, बच्चों में माँ-बाप से बढ़ती दूरी, संस्कारों की कमी, मायड़ भाषा में बोलचाल की जरूरत, राजनीतिक चेतना बोध आदि विषयों पर गहन चर्चा की। सम्मेलन की मासिक पत्रिका **'समाज विकास'** को सभी से पढ़ने की अपील की। यह पत्रिका सम्मेलन की वेबसाइट में डिजिटल संकलन के रूप में भी उपलब्ध है। आगे उन्होंने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन का बीज जो डिब्रूगढ़ की धरती पर सन १९३५ में रोपण हुआ था, उसकी शाखाएं आज ८९ वर्षों में पूरे देश के कई राज्यों के विभिन्न शहरों तक फैल गई है।

इस दौरान डिब्रूगढ़ समाज के छह लोगों देवी प्रसाद बागड़ोदिया, मनीराम अग्रवाल, मनोहर वर्मा, आत्माराम बिरमीवाल, बसंत गाड़ोदिया और विजय खेमानी को उनके द्वारा समाज को दी गई सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सम्मेलन की डिब्रूगढ़ शाखा के सदस्य शैलेश जैन ने किया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, डिब्रूगढ़ के अध्यक्ष कैलाश धानुका, सचिव सुरेश अगरवाल सहित अन्य सदस्यगण, मंडल के अंतर्गत मोरानहाट, डिकम ग्रेटर, सीमलगुड़ी, नाजीरा-गिलकी आदि अनेक शाखाओं के पदाधिकारी, समाज के गणमान्य व्यक्ति, डिब्रूगढ़ के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, महिला सदस्यगण आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, डिब्रूगढ़ के पदाधिकारी, सदस्यगण, मंडल 'ए' के अंतर्गत मोरानहाट, डिकम-ग्रेटर, सिमलगुड़ी, नाजीरा-गेलेकी आदि शाखाओं के पदाधिकारी, समाज के गणमान्य व्यक्ति, डिब्रूगढ़ के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएँ भी उपस्थित थी।

तिनसुकिया में सभा

विसंगतियों को खत्म करने की शुरुआत स्वयं से करें - श्री लोहिया

समाज की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया के साथ राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश पति तोदी व प्रांतीय पदाधिकारी अपने पूर्वोत्तर दौरे के क्रम में गत २७ फरवरी की तिनसुकिया पहुँचे। उनके आगमन पर तिनसुकिया की होटल 'रॉयल हाईनेस' में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल 'एच' के अन्य शाखाओं क्रमशः माघेंरिटा, दुमदुमा, माकुम, नाहरकटिया, नाहोलिया, बरडूबी आदि के पदाधिकारियों के साथ मायुम, तिनसुकिया प्रगति शाखा की सदस्याओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उपाध्यक्ष डोली अग्रवाल सहित डिब्रूगढ़ से आमंत्रित युवा पत्रकार संदीप अग्रवाल मंचासीन थे। राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारियों का परिचय रखा गया तथा उनका स्वागत सम्मान किया गया। तिनसुकिया शाखा के सचिव जितेंद्र डालमिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। अतिथियों के करकमलों से भगवान गणेश के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया गया। अतिथियों के स्वागत में राम अवतार सारडा ने अन्य महिला सदस्याओं के साथ बहुत ही सुंदर स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश पति तोदी का आयोजन शाखा की ओर से फुलाम गमोछा और झापी आदि पहनाकर स्वागत किया गया।

ओजस्वी संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सकारात्मकता का प्रवाह बहाया तथा समाज के कार्यकर्ताओं में प्रेरणा का संचार किया। उन्होंने समाज की विसंगतियों पर प्रकाश डालते हर संस्कार और संस्कृति को कैसे बचाया जा सकता है पर अपने विचार प्रस्तुत किए, आए दिन बढ़ते तलाकों की समस्या, बच्चों की शिक्षा, सम्मेलन द्वारा उच्च शिक्षा पर स्कॉलरशिप की दी जाने वाली सुविधा, बच्चों में माँ-बाप से बढ़ती दूरी, संस्कारों की कमी, मायड़ भाषा में बोलचाल की जरूरत, राजनीतिक चेतना-बोध आदि विषयों पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज की सभाएँ, शादियाँ आदि महँगें होटलों की बजाय समाज के खुद के भवनों में हो तो ज्यादा अच्छा है। उन्होंने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नई वेबसाइटकी जानकारी और उसके इस्तेमाल से होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला। सामाजिक पत्रिका 'समाज विकास' को सभी से पढ़ने की अपील की, जो वेबसाइट में डिजिटल संकलन के रूप में भी उपलब्ध है। उन्होंने अपना संबोधन मारवाड़ी में रखते हुए मायड़ भाषा पर भी ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश पति तोदी ने अपने संबोधन में दौरे के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय कार्यालय तथा राष्ट्रीय स्तर पर चल रही परियोजना पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए समाज के प्रत्येक परिवार तक सम्मेलन के कार्यों की जानकारी पहुँचे, इस हेतु उन्हें सम्मेलन का सदस्य बनाने की ड्राइव चलानी चाहिए। अपने संबोधन में सुरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि आज हमारे मंडल को राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान करने का अवसर और उनका सानिध्य मिला है। कार्यक्रम के दौरान समाज की विभिन्न संस्थाओं से पधारे पदाधिकारियों ने भी शिव कुमार लोहिया का स्वागत किया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय ने काफी महत्वपूर्ण बातों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अगर आपके क्षेत्र में हमारे समाज का कोई भी व्यक्ति कोई उपलब्धियाँ हासिल करता है या कोई सराहनीय कार्य करता है तो उसकी जानकारी राष्ट्र तक अवश्य प्रेषित करें। हम भी यथासंभव उनका सम्मान करेंगे और उस जानकारी को संस्था की मासिक पत्रिका 'समाज विकास' में भी प्रकाशित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सम्मेलन तथा समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए तिनसुकिया के समाजसेवी क्रमशः किशोर अग्रवाल एवं रामगोपाल अग्रवाल, माकुम से ओम प्रकाश चोखानी तथा प्रसन्न कुमार केसान, नाहरकटिया से ब्रज मोहन अग्रवाल एवं डिब्रूगढ़ से युवा पत्रकार संदीप अग्रवाल का सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संयुक्त परिवार का आनंद एकल परिवार में नहीं - शिव कुमार लोहिया

उत्तर लखीमपुर में मारवाड़ी सम्मेलन और मारवाड़ी सम्मेलन की महिला शाखा का २८ फरवरी को राष्ट्रीय, प्रांतीय पदाधिकारियों ने सांगठनिक दौरा किया। इस अवसर पर स्थानीय गोपीनगर कॉलोनी स्थित मारवाड़ी जन सेवा ट्रस्ट में एक सभा आयोजित की गई, जिसका शुभारंभ मंचासीन मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, प्रांतीय अध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, मंडल 'ग' के उपाध्यक्ष छत्र सिंह गिड़िया, संयुक्त सचिव राज कुमार सराफ, मारवाड़ी सम्मेलन लखीमपुर शाखा के अध्यक्ष बलवान शर्मा, लखीमपुर मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की अध्यक्षा रंजू वाकलीवाल ने भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वहीं महिला शाखा की ओर से गणेश वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। नरेश दिनोदिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का संक्षिप्त परिचय सभा के समक्ष रखा। इसके बाद सम्मेलन और महिला शाखा की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री का फूलाम गामोछा, शॉल, दुपट्टा और एक-एक ममेंटो देकर तथा प्रांतीय नेतृत्व का तालियों की गड़गड़ाहट से गर्मजोशी के साथ अभिनंदन किया गया। वहीं लखीमपुर मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बलवान शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि लखीमपुरवासियों को आज काफी लंबे समय के बाद राष्ट्रीय नेतृत्व का स्वागत करने का सुअवसर मिला है। इस अवसर पर समाजसेवी राजेश मालपानी ने अपने जन्मदिवस पर दो असहाय महिलाओं को एक-एक सिलाई मशीन प्रदान की। मंडल 'ग' के मंडलीय उपाध्यक्ष छतर सिंह गिड़िया ने सभा को संबोधित किया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह बड़े दुःख की बात है कि राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रांत की इन शाखाओं का दौरा करने के लिए चालीस साल लग गए। लखीमपुर शाखा को लेकर उन्होंने राष्ट्रीय नेतृत्व को सचेत करते हुए बताया कि लखीमपुर एक ऐसा जिला है जिसके आगे उत्तर लगा हुआ है, इसलिए लखीमपुर शाखा के सदस्य मात्र सवाल पूछकर पीछा छोड़ने वाली शाखाओं में से नहीं हैं उन्हें अपने सवालों का उत्तर देना ही होगा। उन्होंने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों को कम से कम १२वीं कक्षा तक अपने ही पास रखना चाहिए ताकि वो अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे सकें, क्योंकि एक बच्चे को अच्छे संस्कार अपने घर से ही मिलते हैं न की बाहर भेजने से। इसके बाद राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज हित में मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा एक नहीं, बल्कि कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति योजना के तहत समाज के लगभग ३५० बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, सहयोग दिया जा चुका है। उन्होंने समाज बंधुओं से मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट पर सभी योजनाओं से जुड़कर लाभांवित होने का आहवान भी किया। इसके बाद सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना १९३५ में हुई थी, जिसकी शाखाएँ आज देश के लगभग सभी जिलों के अलावा छोटे-छोटे गाँव तक पहुँच चुकी है। उन्होंने समाज के बिखरते परिवारों और टूटते रिश्तों को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि संयुक्त परिवार में जो मजा है वो मजा एकल परिवार में नहीं है। इसके बाद सभा में उपस्थित मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों की ओर से कई प्रश्न पूछे गए, जिसमें आजीवन सदस्य शुल्क को कम करने का आह्वान किया गया। समाज में फैल रही कुरीतियों, आडंबर, प्री-वेडिंग शूट, इत्यादि पर प्रतिबंध लगाने की बात हुई। समाज-बंधुओं ने कहा कि समय रहते अगर राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा प्री-वेडिंग शूट जैसी महामारी पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आने वाले समय में समाज को प्री-वेडिंग शूट दीमक की तरह खोखला कर समाज की नींव हिला देगा। इस कार्यक्रम में लखीमपुर, बिहपुरिया, नारायणपुर, बंदरदेवा, सिलापथार, धेमाजी, ईटानगर इत्यादि से मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभा की समाप्ति के पश्चात प्रीति भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान मंच संचालन राज चौधरी ने किया।

तेजपुर शाखा द्वारा भव्य सम्मान समारोह का आयोजन

शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक एवं हिंदी तथा असमिया भाषा के कवि सुरेश सिरोहिया की पहली हिंदी काव्य पुस्तक **'छू लो आसमान'** का विमोचन बुधवार को तेजपुर में मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने किया। इस मौके पर उन्होंने सिरोहिया को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनकी पहली कविता संग्रह पुस्तक **'छू लो आसमान'** में प्रकाशित कविताओं के स्तर और गुणवत्ता से प्रभावित होकर प्रशंसा की। तेजपुर शाखा अध्यक्ष सुनील सराफ ने स्वागत भाषण प्रदान किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने अपने वक्तव्य में वर्तमान समय में समाज में व्याप्त कुरीतियों, आडंबर एवं दिखावे एवं अन्य समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए समाज को जागरूक और सजग होने की आवश्यकता की बात कही।

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने अपने वक्तव्य में सम्मेलन द्वारा संपादित विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी दी। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने संगठन के उद्देश्यों तथा संगठन के इतिहास से भी लोगों को अवगत कराया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने तेजपुर शाखा द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों के लिए ममेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित सम्मेलन के सदस्यों, सभी समाज बंधुओं द्वारा किए गए सवालों एवं जिज्ञासाओं का संतोषजनक जवाब दिया।

कार्यक्रम में सहायक मंत्री जुगल डागा के अलावा मंडल 'छ' की अन्य शाखाओं खारुपेटिया, ढेकियाजुली, रंगापाड़ा, बिश्वनाथ चारिअली, कलियाबर एवं तेजपुर शाखा के पदाधिकारी, सदस्य व समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर मंडल 'छ' की विभिन्न शाखाओं के करीब ३० नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन तेजपुर शाखा के कोषाध्यक्ष रमेश गाड़ोदिया और धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव राजीव जैन ने किया।

बरपेटा रोड शाखा में कार्यक्रम

मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं महामंत्री कैलाशपति तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने बरपेटा रोड का दौरा किया। यह कार्यक्रम श्री दुर्गा मिष्ठान भंडार हाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल युवा परिषद, धार्मिक महिला समिति, दिगंबर जैन महिला समिति, तेरापंथ महिला समिति, श्री राधा कृष्ण ठाकुरबाड़ी समिति, गौशाला सेवा समिति आदि के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। मंच पर बरपेटा रोड मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष अरुण जैन, बरपेटा रोड मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की अध्यक्ष स्मिता धिरासरिया, मंडल 'ज' की प्रांतीय सहायक मंत्री इस्मिता शर्मा, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया को मंचासीन करवाया गया। सभी संस्थाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री द्वारा उन सब का फूलाम गामोछा से सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने अपना अध्यक्षीय संबोधन दिया, महामंत्री कैलाशपति तोदी ने भी

अपने विचार रखे। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने भी अपनी बात उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के सामने रखी। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य भैरू कुमार शर्मा ने किया। मारवाड़ी सम्मेलन के सलाहकार शिवरतन माहेश्वरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के सचिव प्रमोद अग्रवाल एवं मृदुला माहेश्वरी भी उपस्थित रहीं।

वैदिक कालीन पर्व है होली

भारत के ऋषि-मुनि तत्कालीन वैज्ञानिक थे। उनका चिंतन-दर्शन विज्ञान की कसौटी पर खरा-परखा, प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करता रहा है। विश्व में भारत ही एक मात्र ऐसा देश है, जिसके त्योहार, पर्व, पूजा-पाठ, संस्कार, धार्मिक आयोजन आदि सब विज्ञान पर आधारित हैं। होली पर्व में भी विज्ञान-ज्ञान की अवधारणा समाविष्ट है। रात्रि में संपन्न होने वाला होलिका दहन जाड़े और गर्मी की ऋतुसंधि में प्रस्फुटित होने वाले टोग चेचक, मलेरिया, खसरा, डेंग, कोरोना तथा अन्य संक्रामक रोगों के कीटाणुओं के विनाश का सामूहिक अभियान है। स्थान-स्थान पर प्रदीप्त अग्नि आवश्यकता से अथिक ताप द्वारा समस्त वायुमण्डल को ऊष्ण बनाकर सर्दी में उत्पन्न रोग, कीटाणुओं और जीवाणुओं को विनष्ट कर देती है। होली प्रदक्षिणा के अंतर्गत १४० डिग्री फारेनहाइट तक का ताप शरीर में समाविष्ट होने से मानव के शरीरस्थ समस्त हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट कर देता है। होली के अवसर पर होने वाले नाच-गान, हास-परिहास, हुड़दंग, विविध स्वांग भी वैज्ञानिक दृष्टि से स्वस्थ मनोरंजन हैं। एक-दूसरे से गले मिलने से परस्पर आत्मीयता और सौहार्द्र बढ़ता है। महर्षि सुश्रुत ने वसंत को कफ पोषक ऋतु नाना है –

कफश्चितो हि शिशिरे वसंतेअकार्यु तापितः।
इत्यादि कुरुते रोगानातस्तं त्वरया जयेतु।।

अर्थात शिशिर ऋतु में एकल हुआ कफ, बसंत में पिघलकर कुपित होकर जुकाम, खाँसी, श्वास, दमा आदि रोगों की सृष्टि करता है। इसके निदान के लिए तीक्ष्ण वमन, लघु रुक्ष भोजन, व्यायाम आदि आवश्यक है। ऊँचे स्वर में बोलना, नाचना, कूदना, दौड़ना-भागना सभी उपयोगी क्रियाएँ हैं। इस दृष्टि से होली का त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है।

होली का संदेश

होली के त्योहार का स्पष्ट संदेश यह है कि जमी हुई गंदगी को दूर करें, मार्ग में बिछे हुए कष्टदायक और हानिकारक तत्वों को हटाएँ। गली-मुहल्ले की साफ-सफाई करके स्वच्छता और शुद्धता का वातावरण उत्पन्न करें। चारों ओर पवित्रता की स्थापना करें। प्राकृतिक, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक तथा राजनीतिक विकृतियों में आग लगाकर उत्सव मनाएँ। अश्लील तथा अभद्र शब्दों का प्रयोग, कीचड़ मिट्टी फेंकना, किसी के प्रति क्रूरता-पशुता एवं असभ्यता का प्रदर्शन बंद करें। होली पर आनंद प्राप्ति के लिए आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा दें। शराब पीने, जुआ खेलने, दूसरों को मानसिक आघात पहुँचाने जैसे

दुर्गुणों का त्याग करें। होली प्राकृतिक रंगों और फूलों से ही खेलें। हम अपने विकारों को होलिका में जलाकर पवित्र और पावन बनने का संकल्प लें तभी वास्तविक होली का आनंद हम सबको मिल सकता है।

सामाजिक महत्व

होली समाज को एक साथ लाने और एक दूसरे के बीच ताने-बाने को मजबूत करने में मदद करती है। क्योंकि, यह त्योहार हिंदुओं के अलावा अन्य धर्मों में भी मनाया जाता है। होली की परंपरा यह है कि होली पर शत्रु भी मित्र बन जाते हैं और आपसी किसी भी लड़ाई को भूल जाते हैं। इस दिन लोग अमीर और गरीब के बीच भी अंतर नहीं करते हैं और सभी लोग मिलनसार और भाईचारे की भावना के साथ इस त्योहार को मनाते हैं।

होली का सांस्कृतिक महत्व

होली से जुड़े विभिन्न किंवदंतियों का उत्सव लोगों को बुराई पर अच्छाई की जीत एवं सचाई की शक्ति के बारे में आश्वस्त करता है। हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद की कथा भी इस तथ्य की ओर इशारा करती है कि भगवान की अत्यधिक भक्ति भुगतान करती है, क्योंकि भगवान हमेशा अपने सच्चे भक्त को अपनी शरण में लेते हैं। ये सभी लोगों को अपने जीवन में एक अच्छे आचरण का पालन करने और सच्चे होने के गुण में विश्वास करने में मदद करती है। होली लोगों को सच्चे और ईमानदार होने के गुण में विश्वास करने और बुराई से लड़ने में मदद करती है। इसके अलावा, होली साल के ऐसे समय में मनाई जाती है जब खेत पूरी तरह खिल जाते हैं और लोग अच्छी फसल की उम्मीद करते हैं।

महाशिवरात्री पर्व

भगवान शिव की आराधना का पर्व

भारत की संस्कृति धर्म-परायण होने के कारण भारतीय संस्कृति में व्रत का अपना एक विशेष महत्व है। महाशिवरात्रि एक प्रमुख धार्मिक पर्व उत्सव एवं व्रत है। शैव धर्मावलम्बी महाशिवरात्रि को बड़ी श्रद्धा तथा उत्साह से मनाते हैं। महाशिवरात्रि का पर्व भारत के साथ-साथ नेपाल तथा बांग्लादेश में भी मनाया जाता है। साल में १२ शिवरात्रि होती है प्रत्येक मास कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि कहा जाता है, लेकिन फागुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

क्यों मनाई जाती है महाशिवरात्रि? मान्यताएँ

(१) पौराणिक एवं धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन सृष्टि का प्रारंभ अग्नि लिंग से हुआ था। (महादेव का विशालकाय स्वरूप) (२) भगवान शंकर एवं पार्वती जी का विवाह इसी दिन हुआ था। (३) भगवान शिव जिनसे योग परंपरा की शुरुआत मानी जाती है, शिव को योग का प्रथम गुरु माना जाता है परंपरा अनुसार इस दिन रात्रि को ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है कि मानव में ऊर्जा तथा शक्ति की प्राकृतिक लहर बनती है। (४) शिवरात्रि के दिन ही रात्रि में शिव का निराकार रूप से साकार रूप हुआ था, ब्रह्मा जी के रूप में।

कथा

महाशिवरात्रि के बारे में कई कथाएँ प्रचलित हैं, धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के समय अमृत कलश निकलने से पहले हलाहल नाम का विष निकला, हलाहल विष के निकलते ही संपूर्ण ब्रह्मांड में हाहाकार मच गया, त्राहि-त्राहि होने लगी समुद्र में ऊँची ऊँची लहरें उठने लगी। हलाहल विष में ब्रह्मांड को समाप्त करने की क्षमता थी और भगवान शिव ही इसे नष्ट कर सकते थे। अत: भगवान शिव से प्रार्थना की गई, भगवान शिव ने हलाहल विषपान किया तथा उसे अपने कंठ में रख लिया। कंठ में रखने के कारण उनका कंठ नीला पड़ गया। इसलिए भगवान शिव को 'नीलकंठ' भी कहते हैं। हलाहल विष को कंठ में रखने के कारण उनको भयंकर कष्ट हुआ। वैद्य तथा चिकित्सक बुलाए गए चिकित्सकों ने सलाह दी, भगवान शिव को रात में सोने न दिया जाए। शिवजी रात में सोने ना पाए इसलिए रात भर उत्सव मनाया गया नृत्य तथा गान हुए प्रात: भगवान शिव ने सब को वरदान दिया। इसी उत्सव की स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है। भगवान शंकर ने सृष्टि को बचाया था तो उनके भक्तगण व्रत रखते हैं तथा रात जागरण करते हैं।

कोशिश

एक व्यक्ति ने एक बाड़े (कैंप) में बहुत सारी हाथियों को एक कमजोर सी रस्सी से बंधा हुआ देखा। रस्सी बहुत कमजोर थी। फिर भी हाथी तोड़कर भागने की कोशिश नहीं कर रहे थे। बाड़े (कैंप) के मास्टर ने उस आदमी को बताया कि उन्होंने बचपन से हाथियों को ऐसे की कमजोर रस्सी से बाँध रखा है। बचपन में हाथियों के लिए यह रस्सी तोड़ना मुश्किल था। बड़े होते-होते हाथियों ने यह मान लिया कि यह रस्सी कभी भी नहीं तोड़ पाएँगे। इसलिए, हाथियों ने रस्सी तोड़ने की कोशिश करना ही बंद कर दिया।

सीख : इस तरह से इनसान भी अपनी जिंदगी के कुछ असफलता के बाद ही यकीन कर लेता है कि वह कभी जीत नहीं पाएगा या पहले कभी उन्होंने कुछ देखा है कि किसी चीज में किसी को नुकसान हो गया है तो यह भी उसको

नहीं कर पाएँगे। आपको यह बात हमेशा याद रखना चाहिए कि अगर कोई पत्थर हथौड़े के सौवें वार से टूटता है तो इसका मतलब यह बिलकुल नहीं हुआ कि पहला वार बेकार था।

आपको अपने लक्ष्य और सपनों को पूरा करने के लिए लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। एक दिन आप इतने सक्षम जरूर हो जाओगे कि अपना लक्ष्य हासिल कर सकोगे।

जीतिए पुरस्कार

सभी अभिभावकों से हमारा अनुरोध है कि घर में बच्चों, युवाओं तक इन सामग्री को पहुँचाएँ एवं यह सुनिश्चित करें कि वह इनका पठन-पाठन करें। बच्चों द्वारा इन विषयों पर उनकी सम्मति विशेष रूप से आमंत्रित है। अंक में समाहित ज्ञान गंगा एवं अन्य विषयों पर बच्चों एवं युवकों की राय की प्रतीक्षा रहेगी। यह प्रयास तभी सफल होगा जब प्रत्येक घर में अभिभावक एवं बच्चे इन विषयों पर चर्चा करें एवं अपनी प्रतिक्रिया दें। बच्चों द्वारा भेजी गई तीन श्रेष्ठ राय पर पुरस्कार देने की भी योजना है। आप अपनी प्रतिक्रिया हमें editorsamajvikas@gmail.com पर भेज सकते हैं। - **संपादक**

प्रेरक प्रसंग

अवसर

एक बार एक राजा ने अपने राज्य के एक रास्ते पर बड़ा सा पत्थर रखवा दिया और छुपकर उस रास्ते पर नजर रखने लगा। राजा देखना चाहता था कि कौन उस पत्थर को हटाता है। उस रास्ते से बहुत से लोग निकले, लेकिन किसी ने पत्थर नहीं हटाया। बल्कि, कुछ लोगों ने रास्ता साफ ना होने की वजह से राजा को ही दोष दिया।

तभी वहाँ से एक आदमी सब्जियों का तांगा लेकर उस रास्ते पर आया। उस आदमी ने बहुत मेहनत करके उस पत्थर को हटाया। पत्थर के नीचे एक लिफाफे में सोने के सिक्के और एक कागज रखा हुआ था, जिस पर लिखा था कि यह ईनाम पत्थर हटाने वाले के लिए है।

सीखः इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमारे रास्ते में आने वाले रुकावट हमें और बेहतर करने और बेहतर बनने के अवसर देते हैं। यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम कैसे उस अवसर का फायदा उठा सकते हैं।

जिंदगी की नसीहत

एक बुजुर्ग इनसान से मुलाकात हुई तो मैंने गुजारिश की... कि जिंदगी की कोई नसीहत दीजिए मुझे... उन्होंने अजीब सवाल किया कि कभी बर्तन धोया है? मैं उनके सवाल पर हैरान हुआ और सर झुका कर कहा कि... जी धोया है। पूछने लगे... क्या सीखा? मैंने कोई जवाब नहीं दिया... वो मुस्कुराये और कहने लगे... "बर्तन को बाहर से कम और अंदर से ज्यादा धोना पड़ता है.... बस यही जिंदगी है।"

ज्ञान गंगा

जीवन का महत्व

अनाहूतः प्रविशति अपृष्टो बहु भाषते।
अविश्वस्ते विश्वसिति मूढचेता नराधमः।।

बिना बुलाए भी जाना, बिना किसी के पूछे बहुत बोलना, विश्वास नहीं करने लायक व्यक्तियों पर विश्वास करना... ये सभी मूर्ख और अधम लोगों के लक्षण हैं। अतः अपने जीवन में हमें इन चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए।

छात्र के गुण

सुखार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेत विद्या विद्यार्थी व त्यजेत् सुखम्।।

सुख की कामना करने वालों को विद्या कहाँ प्राप्त हो सकती है? और विद्या की इच्छा रखने वाले को सुख नहीं मिल सकता। अतः सुख की लालसा रखने वालों को विद्या अध्ययन को त्याग देना चाहिए, तथा जो वास्तव में विद्या प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें सुख का परित्याग कर देना चाहिए।

बूझो तो जानें...

1. शीश कटे तो दल बने, पैर हटाए बाद, पेट निकले बाल।
2. दिन में सोये, रात को रोये, जितना रोये, उतना खोये।

उत्तर अगले अंक में –

फरवरी अंक का उत्तर- 1. नाम 2. खामोशी

आइए मारवाड़ी भाषा सीखें

हम मारवाड़ी में परिचय देना सीखते हैं। आइए जानते हैं कि मारवाड़ी में बात कैसे शुरू करें।

हिंदी	मारवाड़ी	अंग्रेजी
वहाँ कौन है?	बठै कुण है?	Who is there?
मुझे पता है।	मनै ठा है। सा!	I know.
मैं जानता हूँ।	मैं जाणों (ओल्कों) हूँ। सा!	I know.
मैं नहीं जानता हूँ।	मैं कोनी जाणों (ओल्कों)। सा!	I don't know.
क्या तुम जानते हो?	थै जाणों (ओल्कों) कोई? सा!	Do you know?
मुझे सब पता है।	मनै सगली ठा है। सा!	I know everything.
वो क्या है?	बो कोई है? सा!	What is that?
मैं नहीं जानता।	मनै कोनी ठा।	I don't know.
यह कैसे हो सकता है।	ओ कियां हुं सके हैं।	How can this be possible?
मैं नहीं मानता।	मैं कोनी मानूं।	I don't believe.
क्या हो रहा है?	काई हो रियो हैं।	What's happening.
क्या आप समझ गये?	थै समझ गा काई?	Got it/Understood.
क्या चल रहा है?	काई चाल रियो हैं?	What's going on?
क्या बात है?	काइ बात है?	What is the matter?

अंधविश्वास का पर्दाफाश

सिक्ख संप्रदाय के दसवें गुरु-गुरु गोविंदसिंह एक महान योद्धा होने के साथ बड़े बुद्धिमान व्यक्ति थे। धर्म के प्रति उनकी निष्ठा बड़ी गहरी थी। वह धर्म के लिए ही जिए और धर्म के लिए ही मरे। धर्म के प्रति अडिग आस्थावान होते हुए भी वे अंधविश्वासी जरा भी न थे और न अंधविश्वासियों को पसंद करते थे।

गुरु गोविंदसिंह सिक्खों के संगठन और शक्ति बढ़ाने की चिंता में रहते थे। उनकी इस चिंता से एक पंडित ने लाभ उठाने की सोची। वह गुरु गोविंदसिंह के पास आया और बोला - यदि आप सिक्खों की शक्ति बढ़ाना चाहते हैं, तो दुर्गा देवी का यज्ञ कराइए। यज्ञ की अग्नि से देवी प्रकट होगी और वह सिक्खों को शक्ति का वरदान दे देगी। गुरु गोविंदसिंह यज्ञ करने को तैयार हो गए। उस पंडित ने यज्ञ कराना शुरु किया।

कई दिन तक यज्ञ होते रहने पर भी जब देवी प्रकट नहीं हुई तो उन्होंने पंडित से कहा - 'महाराज'! देवी अभी तक प्रकट नहीं हुई।" धूर्त पंडित ने कहा - 'देवी अभी प्रसन्न नहीं हुई है। वह प्रसन्नता के लिए बलिदान चाहती है। यदि आप किसी पुरुष का बलिदान दे सकें तो वह प्रसन्न होकर दर्शन दे देगी और बलिदानी व्यक्ति को स्वर्ग की प्राप्ति होगी।

देवी की प्रसन्नता के लिए नर बलि की बात सुनकर गुरु गोविंदसिंह उस पंडित की धूर्तता समझ गए। उन्होंने उस पंडित को पकड़कर कहा - "बलि के लिए आपसे अच्छा आदमी कहाँ मिलेगा। आपका बलिदान पाकर देवी तो प्रसन्न हो ही जाएँगी, आपको भी स्वर्ग मिल जाएगा। इस प्रकार हम दोनों का काम बन जाएगा। गुरु गोविंदसिंह का व्यवहार देखकर पंडित घबरा गया। गुरु गोविंदसिंह ने बलिदान दूसरे दिन के लिए स्थगित करके पंडित को एक रावटी (कपड़े का बना छोटा घर) में रख दिया। पंडित घबराकर गुरु गोविंदसिंह के पैरों पर गिर पड़ा और गिड़गिड़ाने लगा - "मुझे नहीं मालूम था कि बलिदान की बात मेरे सिर पर ही आ पड़ेगी, गुरु जी, मुझे छोड़ दीजिए। मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ।" गुरु गोविंदसिंह ने कहा – अब क्यों घबराते हो? बलिदान से तो स्वर्ग मिलेगा, क्यों पंडित जी, बलिदान की बातें तभी तक अच्छी लगती है न, जब तक वह दूसरों के लिए होती है? अपने सिर आते ही असलियत खुल गई ना।"

पंडित बोला – "इस बार क्षमा कर दीजिए महाराज। अब कभी ऐसी बातें नहीं करूँगा।" गुरु गोविंदसिंह ने उसे छोड़ दिया और समझाया "इस प्रकार का अंध-विश्वास समाज में फैलाना ठीक नहीं। देवी अपने नाम पर किसी के प्राण लेकर प्रसन्न नहीं होती। वह प्रसन्न होती हैं, अपने नाम पर किए गए अच्छे कामों से।" बाद में गुरु गोविंदसिंह ने उसे रास्ते का खर्च देकर भगा दिया। गोविंदसिंह ने सिक्खों को समझाया। किसी देवी-देवता के नाम पर जीव हत्या करने से न तो पुण्य मिलता है और न शक्ति। धर्म के नाम पर किसी जीव का प्राण लेना घोर पाप है। शक्ति बढ़ती है - आपस में प्रेम रखने से, धर्म का पालन करने से। शक्ति बढ़ती है - ईश्वर की उपासना करने से और उसके लिए त्याग करने से। शक्ति बढ़ती है-अन्याय और अत्याचार का विरोध और निर्बल तथा असहायों की सहायता करने से।

बोंगाईगाँव के तेरापंथ भवन में सभा का आयोजन

राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ पंकज पोद्दार मंडलीय उपाध्यक्ष मंडल 'ई' के सुशील गोयल प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल 'ज' के सरजीत सिंह भारी, सह-मंत्री इस्मिता शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष प्रेमनाथ हरलालका, मंडल 'ज' की अन्य शाखाओं नवबाड़ी से सचिव तथा अन्य सदस्य, बरपेटा रोड के सचिव प्रमोद अग्रवाल तथा फकीरा ग्राम महिला शाखा अध्यक्षा सरिता शर्मा उपस्थित थीं।

अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने अपने स्वागत एवं उपाध्यक्षीय भाषण में उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए हार्दिक अभिनंदन किया।

शाखा के गठन पर कहा कि २०१८ में हमारे तब के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया के प्रयासों से बोंगाईगाँव शाखा का गठन हुआ था। वर्तमान में हमारे १२५ आजीवन सदस्य हैं। कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि वृक्षारोपण में १०० पौधों के रोपण का कार्य किया गया, स्थापना दिवस पर स्थानीय साहित्यिक, समाजसेवी लोगों को सम्मानित करने का कार्य भी किया जाता रहा है। यह भी बताया कि कैसे शिवसागर के बालक की ब्रेन सर्जरी के लिए असम में सर्वप्रथम रुपये भिजवाए थे।

महिला शाखा की अध्यक्ष मंजू दूगड़ को तथा सचिव मीना जैन को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा शपथ पाठ करवाकर मंचासीन करवाया गया तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने महिला मंडल के सभी पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाया एवं प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा द्वारा ९० के आसपास आजीवन सदस्याओं को शपथ पाठ करवाया गया।

मंडलीय उपाध्यक्ष सरजीत सिंह भारी ने महिला शाखा का खुलना तथा मंडल (ज) में ५०० सदस्यों का बनना सम्मेलन की उपलब्धि बताया। कैलाश काबरा ने बताया कि गुवाहाटी में महिला छात्रावास बहुत ही जल्द खुलेगा, उसमें पूरे असम से बच्चियों के रहने की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही यह भी कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है, १०० आजीवन सदस्यों के साथ बोंगाईगाँव में नई शाखा खुल रही है यह नया कीर्तिमान है। अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका की टीम बहुत अच्छा कार्य कर रही है। अखयचंद बैद के बारे में कहा कि आप एक बहुत ही सुलझे हुए सामाजिक कार्यकर्ता हैं और बोंगाईगाँव की दोनों शाखाओं में इतनी ज्यादा संख्या में सदस्यों को जोड़ने का कार्य किया है जो वास्तव में प्रशंसनीय है।

इसके बाद राष्ट्रीय महामंत्री ने शिक्षा कोष की जानकारी देते हुए कहा कि एक विद्यार्थी को ४ साल के समय में ८ लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जा सकती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने कहा कि युवा मंच के दिनों से मैं यहाँ आता जाता रहा हूँ। संस्थापक अध्यक्ष प्रो. ओमप्रकाश अग्रवाल सामने बैठे हैं, और तब बोंगाईगाँव में युवा मंच का सबसे पहला भवन बना था। सभी को सम्मेलन से जुड़ने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि हमें हमारे घरों में मारवाड़ी भाषा में ही बात करनी चाहिए। हमारी भाषा मे इतने मुहावरे या कहावतें हैं, यह एक समृद्ध भाषा है। बच्चों की शिक्षा के बारे में कहा, उन्हें उच्च शिक्षा तथा संस्कार परिपूर्ण बनाएँ। महिलाओं से कहा कि १९३५ में आंदोलन चला था कि घूँघट प्रथा बंद हो तथा मातृ शक्ति शिक्षित हो इसमें समय तो लगा, लेकिन यह प्रथा खत्म हुई और महिलाएँ शिक्षित भी होने लगीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति को मंथन करना चाहिए तथा उन्हें चाहिए की मर्यादा में रहे तथा यह न सुनना पड़े की थोड़ी तो शर्म करो। स्वागत गीत प्रस्तुत कर्ता महिलाओं से कहा कि आप लोगों द्वारा अत्यंत सुंदर मधुर स्वागत गीत गाया गया, जो दिल तक पहुँचा है।

इसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अखयचंद बैद को सर्वाधिक सदस्य जोड़ने के लिए, ज्ञानचंद जैन को सर्वाधिक बार रक्तदान के लिए दीपेश सुरेका को मानव सेवा में भोजन के वितरण के लिए तथा मनीष लखोटिया को मानवसेवा तथा पशुधन की सेवा के लिए स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

महिला शाखा की अध्यक्षा मंजू दूगड़ ने कहा कि यह उनके लिए गौरव की बात है कि उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शपथ पाठ करवाया। सम्मेलन के दिशानिर्देश के अनुसार समाज के कार्य करने का भरोसा दिया।

समाज की संस्थाएँ जैसे श्री अग्रवाल समाज सभा, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा (दक्षिण), जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, श्री साधु मार्गी जैन संघ, सकल दिगंबर जैन समाज, माहेश्वरी सभा, विप्र फाउंडेशन-मारवाड़ी विप्र समाज, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच ने (सभी घटकों के जैसे पुरुष, महिला एवं युवा) राष्ट्रीय अध्यक्ष का फुलाम गमोछा से सम्मान किया। जिसमें कुल करीब २५ संस्थाएँ थीं।

मंच का संचालन सह-सचिव महेश अग्रवाल तथा गोपाल हरलालका ने किया।

काम करने का अवसर बहुत है और हमारे पास इच्छाशक्ति भी है : बोले श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक 'अखिल भारतीय समिति' की द्वितीय बैठक १७ मार्च २०२४ को उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में होटल सिटी प्राइड, हरिद्वार में आयोजित हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष व सभी गणमान्य मंचासीन व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर बैठक का शुभारंभ किया।

स्वागत भाषण में उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष संतोष खेतान ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों व अखिल भारतीय समिति के सदस्यों का उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से स्वागत, अभिनंदन करते हुए कहा कि अखिल भारतीय समिति की बैठक के आयोजन का अतिथ्य

उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को राष्ट्रीय टीम द्वारा देना प्रादेशिक संगठन व मेरे लिए बड़े गौरव की बात है। १२ वर्षों के अंतराल के बाद हमें आप सभी ने आयोजन के आतिथ्य का गुरुभार सौंपा उसे हमने सुव्यवस्थित ढंग से करने का प्रयास किया है। राष्ट्रीय नेतृत्व में हम उत्तराखंड में सांगठनिक विकास की दिशा में अग्रसर हैं। आगे भी हम अपने सांगठनिक विकास को अबाध रूप से आप सबके मार्गदर्शन में बढ़ाते रहेंगे।

अध्यक्षीय संबोधन के शुरुआत में श्री लोहिया ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजीत जालान के मार्गदर्शन में उत्तराखंड प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा सुंदर आयोजन के लिए साधुवाद दिया। साथ ही पूर्वोत्तर दौरे के मीठे अनुभवों को लोगों से साझा किया एवं बेहतर और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए पूर्वोत्तर के अध्यक्ष, पदाधिकारियों व सदस्यों को साधुवाद दिया तथा उनके सांगठनिक कुशलता की मुक्तकंठ प्रशंसा की। श्री लोहिया ने उपस्थित लोगों को सम्मेलन के संक्षिप्त इतिहास व सामाजिक कार्यों से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन हमें ऊर्जा और शक्ति प्रदान करता है। जो लोग समाज का कार्य करते है या देते हैं, उससे ज्यादा उन्हें वापस समाज से मिलता है।

हमारे पास काम करने का अवसर बहुत है और इच्छाशक्ति भी है। उन्होंने सभी से अपील की कि सम्मेलन के सोशल मीडिया पेज फेसबुक और इंस्टाग्राम से खुद जुड़े और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ें। आगे श्री लोहिया ने इस सत्र में विभिन्न प्रांतों में खुले ३२ शाखाओं के लिए प्रांतीय पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

भावी गतिविधियों की चर्चा करते हुए श्री लोहिया ने कहा कि हमें पिछले अधिवेशन में पारित प्रस्ताव १. मायड़ भाषा का प्रचार, २. प्री-वेडिंग फोटोशूट, सडकों पर नृत्य, ड्रेस कोड का विरोध, ३. विवाह समारोह में मद्यपान निषेध की जागरूकता पर जोर देने की जरूरत है।

तत्पश्चात राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने जुलाई २०२३ को कोलकाता में आयोजित पिछली अखिल भारतीय समिति की बैठक का कार्यवृत्त सभा पटल पर रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री ने पिछली बैठक के बाद से अब तक के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत की। साथ ही साथ श्री तोदी ने सम्मेलन के डिजिटलीकरण की रूपरेखा पर विस्तार से सदस्यों को अवगत करवाया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने अपने भावी योजना की जानकारी देते हुए बताया कि पूर्वोत्तर, सिक्किम और गुजरात में संगठन को विस्तार देने के लिए इन सभी प्रांतों का मैंने दौरा किया है। पूर्वोत्तर के संगठन विस्तार से आप सभी परिचित हैं।

गुजरात में सूरत जिला इकाई का गठन हुआ है। सिक्किम में भी संगठन विस्तार के लिए प्रयास जारी है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजीत जालान ने संगठन प्रगति तथा भावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश के कानपुर में शाखाएँ खुल गई हैं, इस सत्र तक १० और शाखाएँ खोलने का हमारा लक्ष्य है। उत्तराखंड में चार शाखाओं का गठन हुआ है और निकट भविष्य में ३ शाखाएँ खुल जाएँगी। दिल्ली में प्रांतीय संगठन के संपर्क में मैं हूँ और आशा करता हूँ कि जल्द हम वहाँ भी संगठन विस्तार करेंगे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने संगठन प्रगति तथा भावी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि मेरे प्रभार प्रदेश कर्नाटक, तमिलनाडु व तेलंगाना में सदस्यता बढ़ाने पर प्रांतीय पदाधिकारी प्रयत्नशील हैं। आगामी दिनों में गुजरात बैठक के बाद हम कर्नाटक में एक बैठक के आयोजन करने की ओर अग्रसर हैं। सम्मेलन में सामंजस्य के साथ काम करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान ने कहा कि हमें सांगठनिक विकास के लिए महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश व कर्नाटक में विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है।

महामंत्री पूर्वोत्तर विनोद लोहिया, उत्तराखंड संजय जाजोदिया, छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रतिनिधि नारायण भूषाणिया तथा दिल्ली के सुंदरलाल शर्मा ने अपने-अपने प्रांत का रपट प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने २०२३-२५ सत्र का अब तक का वित्तीय रपट प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा करते हुए बैठक में मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार के संबंध में प्रत्येक समाज-बंधुओं से अनुरोध किया गया कि अपने घर में मायड़ भाषा का प्रयोग करें। सम्मेलन का इस सत्र का नारा है- **आपणो समाज-एक समाज-**

श्रेष्ठ समाज। इसके अंतर्गत सभी घटकों को एकबद्ध होकर समाज एवं सम्मेलन को मजबूत करना है। वर्तमान लोकसभा के चुनाव के परिप्रेक्ष्य में यह निर्णय लिया गया कि समाज-बंधु अधिक से अधिक मतदान में भाग लें एवं यह सुनिश्चित करें कि मतदान वाले दिन मतदान केंद्र में जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित समाज-सुधार संबंधित प्रस्ताव के प्रचार-प्रसार एवं लागू करने के लिए सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध किया गया। संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम के संबंध में सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध किया गया कि अपने परिवार में एवं समाज में संस्कार-संस्कृति के प्रचार के लिए एवं अपनाने के लिए यथायोग्य प्रयास करें।

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयनका, दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष पूर्वोत्तर ओम प्रकाश खंडेलवाल, मन्ना लाल बैद, सुषमा अग्रवाल, मनोज कुमार जैन (काला), सीताराम अग्रवाल ने अपना सारगर्भित उद्‌बोधन दिया।

सर्वप्रथम सभी उपस्थित राष्ट्रीय, प्रांतीय पदाधिकारियों का आतिथ्य प्रांत उत्तराखंड ने राजस्थानी पगड़ी, दुपट्टा, माला से सम्मान किया।

अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी ने प्रांतीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का जवाब दिया तथा बैठक का सफल संचालन किया।

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बैठक के बाद उत्तराखंड में नवगठित शाखा पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने समन्वय बैठक की, जिसमें राष्ट्रीय तथा प्रांतीय पदाधिकारियों ने शाखा पदाधिकारियों के संदेहों, प्रश्नों का तर्कपूर्ण उत्तर देकर उनके शंकाओं का समाधान किया।

होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
शिव कुमार लोहिया	जो कुछ करे सो हरि करे
सीताराम शर्मा	पुराना अंदाज
नन्दलाल रूँगटा	हरदिल अजीज
डॉ. हरिप्रसाद कानोडिया	अनुभवी
रामअवतार पोद्दार	सबका मंगल
पद्म श्री प्रह्लाद राय अगरवाला	आगे बढ़ो
संतोष सराफ	हितचिंतक
गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	सकारात्मक
दिनेश जैन	निन्यानबे का फेर
रंजीत कुमार जालान	धुन के पक्के
मधुसूदन सीकरिया	धीर-गंभीर
राज कुमार केडिया	उत्तरदायित्व
डॉ. सुभाष अग्रवाल	यारों का यार
कैलाशपति तोदी	मैं हूँ ना
पवन जालान	अपनी मर्जी
संजय गोयनका	सदाबहार
महेश जालान	अति उत्साही
केदार नाथ गुप्ता	हौले-हौले
आत्माराम सोंथलिया	सुलझे विचार
भानीराम सुरेका	नए पुराने का समन्वय
नीरा बथवाल	नेक इरादे
रूपा अग्रवाल	साथ-साथ
अरुण कुमार सुरेका	मधुर मुस्कान
हरिप्रसाद बुधिया	दिल जवान है
सुरेंद्र भट्टर	युवा सम्राट
सुन्दर प्रकाश	साइलेंट वर्कर
जुगल किशोर जाजोदिया	गोल्डेन हर्ट
रमेश कुमार बुवना	भरोसेमंद
रवीन्द्र चमड़िया	अक्षय प्रेम
सजन कुमार बंसल	केसरिया झंडा
सज्जन भजनका	अपना आदमी
श्रीकुमार बांगड़	सामाजिक
सुषमा अग्रवाल	साथ-साथ
अनिल कुमार जाजोदिया	दिशानिर्देश
बनवारी लाल मित्तल	प्रगतिशील
गोविन्द शारडा	राम जी की कृपा
शंकर कारीवाल	लाइम लाइट
हरिचरण गुप्ता	मन मंदिर
पीयूष केयाल	नई पौध
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका	सोच समझकर
पवन कुमार गोयनका	बिजी पर्सन
चांदमल अग्रवाल	राजस्थान की पुकार
ओम प्रकाश खण्डेलवाल	मैंने निभा दिया
गोविंद अग्रवाल	अपनी सोच
डॉ. जुगल किशोर सराफ	अभी तो मैं जवां हूँ
रतन लाल शाह	राजस्थानी भाषा
विवेक गुप्त	प्रियदर्शी
संजय कुमार हरलालका	कलम का सिपाही
पवन कुमार सुरेका	विरासत
सुदेश कुमार अग्रवाल	समय का अभाव
दामोदर प्रसाद बिदावतका	कोई चिंता कोनी
चाँदमल अग्रवाल (आ.प्र.)	सौम्य

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
पोड़ेश्वर पुरोहित (आ.प्र.)	आड़े वक्त का साथी
युगल किशोर अग्रवाल (बिहार)	शाखा भ्रमण
सदानंद अग्रवाल (बिहार)	कुछ करना है
पुरुषोत्तम सिंघानिया (छत्तीसगढ़)	मृदु मुस्कान
अमर बंसल (छत्तीसगढ़)	युवा साथी
रमाकांत सराफ (कर्नाटक)	देखता हूँ
शिव कुमार टेकरीवाल (कर्नाटक)	काम से काम
विजय कुमार संकलेचा (मध्य प्रदेश)	लगा हुआ हूँ
श्याम सुंदर माहेश्वरी (म.प्र.)	सोच रहा हूँ
राज कुमार पुरोहित (महाराष्ट्र)	निशाने पर
निकेश गुप्ता (महाराष्ट्र)	मिसफिट
रमेश कुमार बंग (तेलंगाना)	ढोल का पोल
राम प्रकाश भंडारी (तेलंगाना)	अनजान राहें
डॉ. गोविंद अग्रवाल (उत्कल)	तीरंदाज
जयदयाल अग्रवाल (उत्कल)	धीर- गंभीर
श्रीगोपाल तुलस्यान (उत्तर प्रदेश)	प्रयासरत
टिकम चंद सेठिया (उत्तर प्रदेश)	हरफन मौला
लक्ष्मीपत भुतोड़िया (दिल्ली)	सेकंड इनिंग
सुंदर लाल शर्मा (दिल्ली)	राजधानी एक्सप्रेस
नंदकिशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग)	अपना अंदाज
नितिन अग्रवाल (पश्चिम बंग)	अतिव्यस्त
संतोष खेतान (उत्तराखंड)	गंगा किनारे
संजय जाजोदिया (उत्तराखंड)	कर्मठ
गोकुल चंद बजाज (गुजरात)	सोच रहा हूँ
राहुल अग्रवाल (गुजरात)	स्लीपिंग पार्टनर
बसंत कुमार मित्तल (झारखंड)	गतिमान
रवि शंकर शर्मा (झारखंड)	सहयोगी
कैलाश चंद कावरा (पूर्वोत्तर)	सबल नेतृत्व
विनोद कुमार लोहिया (पूर्वोत्तर)	जुझारू
विजय कुमार गोयल (तामिलनाडु)	निभा रहा हूँ
मुरारी लाल सोंथलिया (तामिलनाडु)	समाजहित
रमेश पेड़ीवाल (सिक्किम)	जय सियाराम
सुरेश कुमार अग्रवाल (सिक्किम)	ऊंचाई पर
श्याम सुंदर अग्रवाल (केरल)	आनंदम
भावेश चांडक (केरल)	साथी हाथ बढाना
रमेश नांगलिया	सदैव आपका
मानकचंद बालासरिया	आजमाइश
नकुल अग्रवाल	सुलझे विचार
मीना देवी पुरोहित	लम्बी पारी
जय गोविन्द इन्दोरिया	राजनीतिक चर्चा
अनिल कुमार मल्लावत	स्वास्थ्य ही धन है
डॉ. विजय केजरीवाल	लाफ्टर चैनेल
डॉ. मुकेश कोचर	संजीदगी
सूरज नागोरी	संस्कारी
जुगल किशोर जाजोदिया	गोल्डन हर्ट
अरुण चूड़ीवाल	सजग-सक्रिय
रामानंद रुस्तगी	सामाजिक
गोपाल पित्ती	विचारशील
अरुण अग्रवाल (गुवाहाटी)	संगीत प्रेमी
दीपक जालान	बढते कदम
नारायण प्रसाद डालमिया	अपनापन
शंकर जालान	राइटर

होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
सुरेश कुमार अग्रवाल	शुभकामनाएँ
राजेश बजाज	दुर्लभ साथी
जय प्रकाश अग्रवाल	पुराना साथ
अजय कुमार अग्रवाल	नई पारी
हेमंत अग्रवाल	नई पौध
उमा शंकर अग्रवाल	बनारसी ठाठ
राजेश कुमार अग्रवाल	एक्सक्लूसिव
रवि शंकर सीकरिया	सचिव
सुनीता लोहिया	नारी शक्ति
अशोक कुमार अग्रवाल	मधुर मुस्कान
अमित सरावगी	खरा सोना
प्रमोद कुमार जैन	सहयोगी
ऋषि बागड़ी	प्रतिभावान
दीपक बुचासिया	शहर से दूर
श्याम सुंदर अग्रवाल	नया उत्साह
अशोक पुरोहित	जिम्मेदारी का बोझ
घनश्याम सुगला	तत्पर
शरत झुनझुनवाला	अग्रणी
गोपाल अग्रवाल	सोचता हूँ
कमल नोपानी	ओल्ड इज गोल्ड
अरुण प्रकाश मल्लावत	सेवाभावी
सांवरमल शर्मा	बहुत खूब
जगदीश प्रसाद सिंधी	राजस्थानी झंडा
रवि लोहिया	खुशगवार
सज्जन बेरीवाल	सक्षम
आनंद कुमार अग्रवाल	भज गोविन्दम
राजकुमार तिवाड़ी	जनहित में
संदीप कुमार सिंघल	अतिथि सत्कार
पवन कुमार शर्मा	सीधी बात
उमाशंकर अग्रवाल	बनारसी अंदाज
जगदीश गोलपुरिया	अपनापन
रामपाल अट्टल	विश्वसनीय
अशोक कुमार तोदी	प्रभु कृपा
बाबूलाल धनानिया	हरियाणवी तड़का
बनवारीलाल शर्मा (सोती)	हितचिंतक
भागचंद पोद्दार	सदाबहार
विनय सरावगी	सब अच्छा है
विनोद तोदी	यादों की बारात
विश्वनाथ भुवालका	नेक दिल
जगदीश प्रसाद शर्मा	मददगार
शरद सरावगी (कटनी)	शुभ चिंतक
महावीर प्रसाद अग्रवाल	राम जी की कृपा
नन्दलाल सिंघानिया	समय नहीं है
अशोक कुमार जैन	परोपकारी
कमल नोपानी	सकारात्मक सोच
ममता बिनानी	सुभाषिनी
निर्मल कुमार कावरा	घणी खम्मा
रमेश कुमार सरावगी	देशप्रेम
बृज मोहन गाड़ोदिया	उदार हृदय
रतन लाल बंका (राँची)	साहित्यप्रेमी
डॉ. सांवर धनानिया	आज यहाँ कल वहाँ

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
प्रह्लाद राय गोयनका	गंगा मिशन
नविन गोपालिका	पाक इरादे
प्रशांत खंडेलिया	जोशो-खरोश
पन्ना लाल वैद्य (दिल्ली)	जेंटलमैन
रमेश चंद गोपी किशन बंग (महाराष्ट्र)	आउट ऑफ टच
वीरेंद्र कुमार धोखा (महाराष्ट्र)	पाकेट में
नकुल अग्रवाल (उत्कल)	पते की बात
श्याम सुन्दर अग्रवाल (उत्कल)	ज्ञान की पुड़िया
ओम प्रकाश अग्रवाल (कोलकाता)	असमंजस
विजय किशोरपुरिया (बिहार)	प्रिंस ऑफ वेल्स
सुरेश चौधरी (छत्तीसगढ़)	कर्मठ
कमलेश नाहाटा (मध्य प्रदेश)	विचारोत्तेजक
विजय डोकानिया (प.बं.)	मौके की तलाश
विश्वम्भर नेवर	चलता सिक्का
अरुण अग्रवाल (गुवाहाटी)	संगीत प्रेमी
राजकुमार तिवारी (गुवाहाटी)	राजनीति की ओर
सज्जन शर्मा (दिल्ली)	करके दिखाना है
निर्मल सराफ (कोलकाता)	भरोसेमंद
नरेंद्र तुलस्यान (कोलकाता)	हम साथ-साथ हैं
चंपा लाल सरावगी	गुड़ मॉर्निंग
धर्मचंद अग्रवाल	योगी राज
कमल कुमार सिंघानिया	हम भी हैं
आत्माराम कजारिया	सदविचार
श्याम सुन्दर बेरीवाल	वृंदावन के रसिया
प्रदीप जीवराजका	कानूनी दाव-पेंच
भगवानदास अग्रवाल	समाजसेवी
विमल केजरीवाल	जय श्री राम
राजेंद्र खंडेलवाल	डैशिंग
अमित सरावगी	शिखर छू लो
राजेश ककरानिया	उदीयमान
कमल कुमार सिंघानिया	जहाँ चाह, वहाँ राह
बबिता अग्रवाल	शानदार पारी
सुनीता लोहिया	प्रतिभाशाली
अशोक जालान	फॉउंडेशन
दिनेश कुमार अग्रवाल (उत्कल)	नई बागडोर
पवन बंसल	यत्र तत्र सर्वत्र
पवन टिबड़ेवाल	प्रेरणास्पद
रघुनाथ झुनझुनवाला	सोच-विचार
महावीर मनकसिया	उत्साह वर्धक
राज कुमार मिश्रा	मैट्रिमोनियल
शिव कुमार फोगला	हृदय सम्राट
ईश्वर चंद अगरवाला	परहित सरिस धरम नहीं भाई
दीपक पारीक	नया दौर
संदीप गर्ग	मरुधर की डोर
वी. डी. अग्रवाल	साथी हाथ बढ़ाना
संजय जैन (टी टी)	नई सोच
दिनेश जैन (गंगवाल)	दीदी के बोलो
विनीता अग्रवाल	आस - विश्वास

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

ज्ञान की सही पगडंडियों पर चलने का संघर्ष, इंसानियत का संघर्ष होता है : डॉ. तारा दूगड़

सत्संग, विद्या और अनुभव से आती है सुमति : प्रियंकर पालीवाल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा **'जहाँ सुमति तहँ संपति नाना'** विषयक संगोष्ठी का आयोजन सम्मेलन के कोलकाता स्थित डकबैक हाउस के राष्ट्रीय कार्यालय सभागार में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने किया। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित महानुभावों का अभिनंदन करते हुए सुमति, कुमति पर अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में कहा कि हमारे अंदर नकारात्मक और सकारात्मक तत्व दोनों होते हैं, लेकिन जीतता वही है जिसे हम खुराक देते हैं।

प्रबुद्ध चिंतक एवं प्रोफेसर डॉ. तारा दूगड़ संगोष्ठी में अपना

वक्तव्य रखते हुए कहती हैं कि जहाँ सुमति वहाँ संपत्ति है, जहाँ कुमति है वहाँ विपत्ति है। सुमति और कुमति दोनों का स्थान हमारे मन में ही है। हम जैसा चाहे इससे मधुर या कर्कश कैसा भी स्वर निकाल सकते हैं। सुमति के पथ पर चलकर ही विद्या और धन का विकास किया जा सकता है। आज विज्ञान से लेकर भौतिकी और साहित्य से लेकर ब्रह्माण्ड तक के न जाने कितने रहस्य, कितने तथ्य, कितने विश्लेषण उपलब्ध हैं, जिनकी कोई सीमा नहीं है। आज शिक्षित होना ज्ञानवान होना नहीं है। आज ज्ञान और शिक्षा दोनों अलग चीजें बन गई हैं। शिक्षण का एक पूरा तंत्र है जिससे भविष्य और करियर जुड़ता है। यह पूरी तरह से उपभोक्ता तंत्र से जुड़ा हुआ है। इसी ने हमारे ज्ञान को हासिये पर खड़ा कर दिया है। आज ज्ञान की सही पगडंडियों तक जो कुछ थोड़े से लोग पहुँच पाते हैं वह बहुत संघर्ष करते हैं। उनका यह संघर्ष इंसानियत का संघर्ष होता है। यही हमारे समय का द्वंद्व है।

कवि, आलोचक एवं अध्येता प्रियंकर पालीवाल ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे शास्त्र, पुराण हमें सुमति के हिसाब से सुमार्ग के रास्ते पर चलने का निर्देश देते हैं, पर क्या हम सुमार्ग के रास्ते पर चल पाते हैं। वहीं लोक हमें चेताता है कि ज्यादा भले आदमी बने तो लोग आपकी सवारी काट लेंगे। तो फिर क्या हमें कुमति के रास्ते पर चलना चाहिए? नहीं, चलना तो सुमति के रास्ते पर ही है। पर ऐसा भी भला नहीं बनना है कि लोग आपका इस्तेमाल कर लें। सुमति आती है सत्संग से, विद्या से और अनुभव से। किसी के देने से कोई विद्या नहीं लेता है। आदर्श विचार, आदर्श समय में रूपायित होते हैं।

सर्वप्रथम सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन नरेन्द्र तुलस्यान ने कहा कि हम आगे से ऐसे संगोष्ठी का आयोजन महीने-दो महीने में करते रहेंगे। उपस्थित लोगों से उन्होंने भविष्य की संगोष्ठी के लिए विषय सुझाने का भी निवेदन किया। श्री तुलस्यान ने संगोष्ठी का सफल संचालन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने शाल, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने उपहार एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने दुपट्टा भेंटकर डॉ. तारा दूगड़ का तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन ने शाल, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका ने उपहार एवं सेमीनार उपसमिति के चेयरमैन नरेन्द्र तुलस्यान ने दुपट्टा भेंट कर प्रियंकर पालीवाल का सम्मान किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने डॉ. तारा दूगड़ एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं सेमीनार उपसमिति के संयोजक संजय

गोयनका ने प्रियंकर पालीवाल का परिचय उपस्थित श्रोताओं से कराया।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं सेमीनार उपसमिति के संयोजक संजय गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मौके पर राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान, फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन आत्माराम सोन्थलिया, रमेश कुमार बूबना, शंकर लाल कारिवाल, शिव रतन फोगला, जसवंत सिंह मेहता, श्रीगोपाल अग्रवाल, अरुण मल्लावत, बंशीधर शर्मा, अलका तुलस्यान, प्रदीप जीवराजका, जगदीश प्रसाद गाड़ोदिया, राजेश कुमार सोंथलिया, बिनोद बियानी, संपत मल बरमेचा, अरविंद मुरारका, राजेंद्र कानूनगो, महाबीर प्रसाद मनकसिया, रखुनाथ झुनझुनवाला, सीताराम शर्मा, सज्जन बेरीवाल, खुसबू दूगड़, हर्ष दूगड़, सरिता लोहिया, भगवान दास अग्रवाल, केतन सतनालीया, पीयूष केयाल, अमर नाथ चौधरी, सीताराम अग्रवाल, विजय वशिष्ठ एवं अन्य समाज-बंधु उपस्थित रहे।

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste with Good Health
FruitBix
Original Taste of Bakery
dream LITE
Marie Plus
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
BISCUITS
For your comments, complaints and trade related queries write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:

प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न
दिनेश अग्रवाल बने नए प्रांतीय अध्यक्ष

१७ मार्च २०२४ को झारसुगुड़ा के मेफेयर होटल में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। समाज के युवाओं को भी अब राजनीति में आना चाहिए तथा उसमें हिस्सा लेना चाहिए। हमें व्यापार के साथ-साथ समाजसेवा तथा राजनीति दोनों को साथ लेकर चलना चाहिए, तभी हमारा समाज आगे बढ़ेगा यह कथन बीजेडी से राज्यसभा सांसद सुजीत सेठ का है जोकि अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल ने वर्तमान समाज में फैले कुरीतियों, बेवजह खर्चे, दिखावा तथा समाज के उत्थान तथा समाजसेवा पर अपनी बातें रखी। तो वहीं झारखंड राज्य से पधारे प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने भी अपने उद्बोधन में लोगों को आगे आकर समाजसेवा में अपना योगदान देने तथा समाज के लोगों को हर क्षेत्र में अपना हाथ आजमाने का आह्वान किया। वहीं छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से आए विशिष्ट समाजसेवी राकेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में युवावस्था में ही समाजसेवा में आने को कहा राकेश अग्रवाल ने कहा कि बुढ़ापे में कोई क्या कार्य कर पाएगा। अतः समाजसेवा के लिए उम्र नहीं जोश होना चाहिए। अन्य मंचाशीनों में प्रांतीय सचिव जय दयाल अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पराग अग्रवाल, झारखंड से पधारे विनय सरावगी, झारसुगुड़ा के पवन सुल्तानिया, महेंद्र केडिया आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे।

मंच संचालन दिनेश अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम में पूरे प्रांत से करीब तीन सौ से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया था।

प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने पिछले वर्षों में अपने-अपने क्षेत्र में नाम कमाने वाले लोगों तथा समाजसेवा में अग्रिम भूमिका निभाने वाली उत्कल की अनेक संस्थाओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। बच्चों द्वारा स्वागत गीत के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया।

प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में अगले दो वर्षों के कार्यकाल के लिए संबलपुर के दिनेश अग्रवाल को निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में चुना गया। साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर अगले सत्र के लिए मनोनित किया गया।

इस कार्यक्रम में बलांगीर शाखा को सदस्यता विस्तार के लिए सम्मानित किया गया। इसमें शाखा अध्यक्ष मनोज जैन, नकुल अग्रवाल, विष्णु केडिया, बाबूलाल खेड़िया, पवन अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल एवं मोहन अग्रवाल उपस्थित थे। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्य, झारसुगुड़ा शाखा के सदस्य, झारसुगुड़ा की महिला शाखा, झारसुगुड़ा की मारवाड़ी युवा मंच, संबलपुर तथा ब्रजराजनगर के मारवाड़ी सम्मेलन की शाखाओं के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही।

सूरत जिला शाखा की बैठक संपन्न
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सीकरिया का सम्मान

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष गोकुल बजाज के आह्वान पर तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया के सूरत आगमन पर सम्मेलन की गुजरात जिला शाखा की एक सभा सूरत स्थित अग्रवाल समाज भवन में आयोजित की गई।

सभा के प्रारंभ में सूरत जिला शाखा के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने स्वागत संबोधन देते हुए कहा कि हमें बताते हुए खुशी हो रही है कि कुछ महीनों पूर्व गठित हमारी शाखा ने अल्प समय में ही अनेक प्रशंसनीय कार्य किए हैं। हमारी आजीवन सदस्य संख्या में वृद्धि हुई है। श्री अग्रवाल ने अपने भविष्य के कार्यों की रूपरेखा भी सभा के सम्मुख प्रस्तुत की।

प्रादेशिक अध्यक्ष गोकुल बजाज ने अपने संबोधन में कहा कि श्री बजाज ने आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सूरत शहर में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सभा ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। इस हेतु उन्होंने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सहमति की कामना की। उन्होंने आगे बताया कि हमारा प्रयास है कि शीघ्र अहमदाबाद तथा बड़ोदरा का दौरा कर वहाँ भी सम्मेलन की शाखा का गठन करें। साथ ही जानकारी दी कि गुजरात प्रांत द्वारा प्रत्येक वर्ष समाज के होनहार विद्यार्थियों एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के सम्मान हेतु जो समारोह पूर्व में किया जाता रहा है उसका इस वर्ष जुलाई में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दिन ही एक साथ किए जाने पर विचार चल रहा है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सीकरिया ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि कुछ ही महीनों में सूरत जिला शाखा द्वारा सक्रियता से किए गए कार्यों की सराहना की तथा अधिकाधिक समाज-बंधुओं को सम्मेलन से जोड़कर सामाजिक कार्यों में उनका भी सहयोग प्राप्त करने का सुझाव दिया। आगे उन्होंने सम्मेलन के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देते हुए सम्मेलन की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। बैठक में सदस्यों ने भी अपने-अपने विचार रखे।

प्रादेशिक समाचार : नई दिल्ली

प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक

५ मार्च को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भुतोड़िया की अध्यक्षता में अणुव्रत भवन, ITO पर आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज-बंधु उपस्थित रहे। बैठक गणपूर्ति, गायत्री मंत्र एवं आपसी परिचय के साथ प्रारंभ हुई। सभा को सर्वप्रथम प्रांतीय अध्यक्ष श्री भूतोड़िया ने संबोधित करते हुए सभी समाज-बंधुओं का स्वागत किया। प्रांतीय महामंत्री सुन्दर लाल शर्मा ने अपनी संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। आगामी कार्यक्रमों, संगठन एवं सदस्यता विस्तार के बारे में विचार-विमर्श हुआ।

हरिद्वार में १७ मार्च को होने वाली अखिल भारतीय समिति की बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने के बारे में निर्णय लिया गया। शीघ्र ही प्रांत के मुखपत्र 'समाज दर्पण' के प्रकाशन, प्रांत के स्थायी कार्यालय, स्टॉफ की नियुक्ति के बारे में निर्णय हुआ। युवाओं एवं महिलाओं की सहभागिता, समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने आदि कार्यक्रमों के बारे में निर्णय हुआ।

पूर्वी दिल्ली शाखाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने सूचित किया कि वह दिल्ली में प्रांत की प्रथम महिला शाखा के गठन हेतु प्रयासरत हैं एवं शीघ्र ही इसके गठन की घोषणा कर दी जाएगी।

बैठक में अध्यक्ष श्री भुतोड़िया एवं महामंत्री श्री शर्मा के अलावा मुख्य रूप से राष्ट्रीय समाज-सुधार एवं समरसता समिति के चेयरमैन एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष पवन गोयनका, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष राज कुमार मिश्रा, उपाध्यक्षगण मन्ना लाल बैद, विनोद किला, सज्जन शर्मा, ओम प्रकाश अग्रवाल, पूर्व कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य बसंत पोद्दार, शाखाअध्यक्षगण रमेश बजाज (गंगौर), संजय अग्रवाल (पूर्वी दिल्ली), जे.पी. शर्मा (साउथ दिल्ली), सुरेश अग्रवाल (गाजियाबाद), प्रांतीय सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष राजेश सिंघल, संयुक्त मंत्री गोपाल सुथार, संजीव केडिया, सुभाष अग्रवाल, राधेश्याम बंसल, राजन बजाज, ओ पी सोमानी, श्रवण अग्रवाल, मुकेश बोथरा (प्रांतीय अध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच, दिल्ली), अशोक दूगड़ एवं अन्य समाज-बंधुओं की उपस्थिति रही। उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने-अपने प्रभावी विचार सभा में रखे।

बैठक के पूर्व भवन प्रांगण में विराजमान आदरणीय जैन साध्वीयों का दर्शन कर व आशीर्वाद प्राप्त कर, उन्हें सम्मेलन के इतिहास एवं उद्देश्यों से अवगत करवाया गया। पवन गोयनका के वक्तव्य एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा समाप्त हुई।

प्रादेशिक समाचार : तमिलनाडु

कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नई के द्वारा १० मार्च को डी. जी. वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में एक कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया गया। तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष विजय कुमार गोयल ने सभी का स्वागत किया एवं सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य दानदाता एस. सी. अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी ने बताया कि कैसे ट्रस्ट पिछले १६ सालों से यह सेवा तमिलनाडु में दे रहा है, जहाँ अबतक ६९०० से अधिक कृत्रिम अंग बिलकुल निःशुल्क दिए जा चुके हैं।

परियोजना चेयरमैन संजीव अग्रवाल ने कृत्रिम अंग वितरण शिविर पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि आज हम ४२ दिव्यांगों को कृत्रिम अंग दे रहे हैं और यह सभी एस. सी. अग्रवाल टैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा दिए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी चंद्रप्रकाश मालपानी ने सभा को संबोधित करते हुए तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के प्रयासों की सराहना की और एस. सी. अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा तमिलनाडु में की जा रही इस सेवा की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में डी. जी. वैष्णव कॉलेज के एन. एस. एस. विंग की ओर से डॉ. उमापति एवं डॉ. कल्पना को सम्मानित किया गया और एन. एस. एस. विंग के छात्रों के प्रयासों को सराहा गया।

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव मुरारी लाल सोंथलिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक अजय नाहर ने मंच संचालन किया। समूचे तमिलनाडु से आए दिव्यांगों को कैलिपर्स, व्हीलचेयर और अन्य कृत्रिम अंग के साथ-साथ खाने के पैकेट भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में सम्मेलन के कोषाध्यक्ष मोहनलाल बजाज, उपाध्यक्ष अशोक केडिया एवं अशोक लखोटिया, सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष अशोक मूँधड़ा, राम अवतार रूँगटा, विजय लोहिया, बृज खंडेलवाल, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज सिंह, एस. सी. अग्रवाल ट्रस्ट के ट्रस्टियों आदि का विशेष सहयोग रहा।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

दिव्यांग सेवा

३ मार्च को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने माहेश्वरी सदन, राणा प्रताप कॉलोनी में दिव्यांग सेवा की। इस सेवा कार्यक्रम में प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया उपस्थित रहे।

विद्वता, त्याग और तप की प्रतिमूर्ति

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

महाकवि हरिवंश राय बच्चन की **'पथ की पहचान'** शीर्षक सुप्रसिद्ध कविता की प्रारंभिक पंक्तियाँ हैं – **पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले। / पुस्तकों में है नहीं छापी गई इसकी कहानी / हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की जबानी / अनगिनत राही गए इस राह से उनका पता क्या / पर गए कुछ लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी / यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है / खोल इसका अर्थ, पंथी, पंथ का अनुमान कर ले।'** कवि उन बिरले महापुरुषों (कुछ लोग) को इंगित करते हैं जो अपनी असाधारण जीवनशैली से स्पष्ट एवं अनुकरणीय पदचिह्न छोड़ जाते हैं।

ऐसे ही बिरले महापुरुषों में थे **स्वनामधन्य जैन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज**, जिन्होंने अपनी विद्वता, त्याग और कठोर तप की जीवनशैली से मनुजता को विभूषित किया और एक अमिट छाप छोड़ी है।

आचार्य श्री विद्यासागर जी का आविर्भाव १० अक्तूबर १९४६ को शरद पूर्णिमा के दिन कर्नाटक के बेलगाँव जिले के सदलका में कन्नड़भाषी जैन परिवार बड़भागी श्री मल्लप्पा एवं श्रीमती श्रीमंती के सुपुत्र विद्याधर के रूप में हुआ। वे अपने चार भाइयों में दूसरे स्थान पर थे तथा उनकी दो छोटी बहनें भी थी। बाल्यकाल से ही वे धार्मिक प्रवृति के थे, विभिन्न मंदिरों में जाते तथा अपने छोटे भाइयों को धार्मिक सिद्धान्तों के विषय में सिखाते। वे अपनी छोटी बहनों को भी अक्का (दीदी) बुलाते थे। वे एक साधारण से बालक थे, जो मिलता उससे संतोष करते और जो कहा जाता वो करते। एक छात्र के रूप में वे सचेत, शिष्ट एवं इच्छुक विद्यार्थी थे; चित्रकला में भी उनकी रुचि थी, खाली समय में पेंटिंग करते।

३० जून १९६८ को बाईस वर्ष से भी कम आयु में उन्होंने अजमेर (राजस्थान) में प्रसिद्ध जैन संत आचार्य श्री ज्ञानसागर जी से दीक्षा ली। उनके समर्पण, त्याग एवं विद्वता के आलोक में आचार्य श्री ज्ञानसागर जी ने २२ नवंबर १९७२ में उन्हें आचार्य की पदवी दी। अपने दीक्षोत्तर जीवन में आचार्य श्री विद्यासागर ने कठिन तपश्चर्या का पालन किया। उन्होंने आजीवन चीनी, नमक, हरी सब्जी, फल, दही, सूखे मेवों, तेल आदि का त्याग कर दिया। सुबह एक बार दाल-रोटी का साधारण भोजन करते और जल भी एक बार ही ग्रहण करते। चादर, गद्दे, तकिये, बिस्तर आदि का पूर्णतया त्याग कर पूरे वर्ष हर मौसम में, जमीन या तख्त पर ही सोते यहाँ तक की करवट भी नहीं बदलते। आचार्य एक स्थान पर कुछ दिनों से ज्यादा नहीं टिकते थे, सिर्फ चतुर्मास (वर्षाऋतु) में एक स्थान पर रहते थे। वह भी उन्होंने किसी एक स्थान पर नहीं, बल्कि अलग-अलग वर्षों में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात आदि प्रांतों के भिन्न-भिन्न स्थानों पर किया।

आचार्य जी की प्रेरणा से जनकल्याण के विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अनेक प्रकल्प पूरे हुए और चल रहे हैं। तथापि उनका कोई बैंक खाता नहीं था, कोई ट्रस्ट नहीं, यहाँ तक की कोई जेब भी नहीं थी। **जिनके ऊपर अरबों रुपये न्योछावर होते थे, उन्होंने कभी धन का स्पर्श तक नहीं किया।**

आचार्य श्री विद्यासागर जी ने संस्कृत, प्राकृत सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओं यथा हिंदी, मराठी, कन्नड़, अंग्रेजी आदि में विशेषज्ञ स्तर का ज्ञान प्राप्त किया। किंतु, रचनाएँ मुख्यत: हिंदी और संस्कृत में की। उनकी कृतियों में **निरंजना शतक, भावना शतक, परीषह जाया शतक, सुनीति शतक** और **शरमाना शतक** विशेष रूप से जाने जाते हैं, तथापि सबसे प्रसिद्ध हुई हिन्दी काव्यकृति **'मूक माटी'**। अनेक शोधार्थियों ने स्नातकोत्तर एवं डॉक्ट्रेट के लिए उनके कार्यों का अध्ययन किया है। 'मूक माटी' विभिन्न संस्थानों में हिंदी के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती है।

गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है – **पारस परस कुधातु सुहाई**। परंतु जिनके वंश में ही पारस का प्राकट्य हो जाए, फिर उनके सौभाग्य की तो कल्पना ही की जा सकती है। समयांतर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का संपूर्ण परिवार ही दीक्षा लेकर धर्ममय हो गया। पिता श्री मल्लप्पा – मुनि मल्लि सागर हो गए, माता श्रीमती श्रीमंती – आर्थिका समय मति, अग्रज श्री महावीर अष्टगे – मुनि उत्कृष्ट सागर, अनुज श्री अनंतनाथ – मुनि योग सागर और अनुज श्री शान्तिनाथ – मुनि समय सागर हो गए। दोनों छोटी बहनों ने भी दीक्षा ग्रहण की।

गत १८ फरवरी २०२४ को छत्तीसगढ़ में राजनंदगांव जिला स्थित चंद्रगिरि तीर्थ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने **'सल्लेखना' के माध्यम से समाधि ली और अपने पार्थिव शरीर का त्याग किया**। सल्लेखना एक जैन धार्मिक प्रथा है जिसमें आध्यात्मिक शुद्धि के लिए स्वैच्छिक आमरण उपवास शामिल है।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज आजीवन लोगों को मानवता, धर्म और प्रेम का उपदेश देते रहे। उन्होंने कहा **'जीव दया पालणी, रुंख लीलो नही घावे'**, यानी मानव को सबके प्रति दयाभाव रखना चाहिए, हरे वृक्ष नहीं काटने चाहिए, यही सच्चा मानव धर्म है। परोपकार को आचार्य जी जीवन का उद्देश्य मानते थे और कहते थे कि **अच्छे लोग दूसरों के लिए जीते हैं, जबकि दुष्ट लोग दूसरों पर जीते हैं**। नम्रता को वे एक अत्यंत विशिष्ट गुण मानते थे और कहते थे – **जो नमता है वो परमात्मा को जमता है**। वे सबको क्रोध को नियंत्रित रखना सीखाते थे। उनका मानना था कि **क्रोध मूर्खता से शुरु होता है और पश्चाताप पर खत्म होता है**। आचार्य जी का कर्मफल में अटूट विश्वास था। वे कहते थे कि कर्म का सिद्धांत कठोर है – **अच्छे कर्म व्यक्ति के जीवन को प्रगति की ओर उन्मुख करते हैं और बुरे कर्म बर्बादी की ओर।**

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जीवन और उनकी शिक्षाएँ वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। आचार्यश्री को शत-शत नमन!!

उपलब्धियाँ

२७ फरवरी को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री व समाजसेवी महेश जालान को 'विलक्षण प्रतिभाशाली व्यक्तित्व सम्मान' से सम्मानित किया गया।

१९ वर्षीय कु. युक्ता बियानी पिता प्रवीण बियानी एवं माता भाग्यश्री बियानी ने भारत में प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रथम पायलट बनने का गौरव अपने नाम किया है।

सुश्री तनीषा तोषनीवाल सुपुत्री बजरंग लाल तोषनीवाल ने मजिस्ट्रेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर गुवाहाटी में मजिस्ट्रेट बन गई हैं।

सीतामढ़ी के राजेश कुमार सुन्दरका को इण्डियन रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला सीतामढ़ी शाखा में सचिव नियुक्त किया गया है।

कामरूप शाखा सदस्य प्रदीप जाजोदिया के ज्येष्ठ पुत्र मयंक जाजोदिया ने MBBS कर चिकित्सक (डॉक्टर) बन गए हैं। प्रदीप जाजोदिया सम्मेलन समाचार के संपादक पवन जाजोदिया के छोटे भाई हैं।

गुवाहाटी की आराध्या धानुका महज ९ वर्ष की आयु में हुला हूपिंग में कीर्तिमान गढ़ा है। उन्होंने सबसे अधिक व सबसे तेज प्रदर्शन कर **'असम बुक ऑफ रिकॉर्ड'** में अपना नाम दर्ज करा लिया है। आराध्या धानुका गुवाहाटी के युवा उद्यमी घनश्याम-स्वाती धानुका की पुत्री तथा प्रतिष्ठित समाजसेवी अशोक-कुसुम धानुका की पौत्री हैं।

राजस्थानी कविता संग्रह **'पलकती प्रीत'** के रचनाकार गजेसिंह राजपुरोहित को साहित्य अकादमी पुरस्कार-२०२३ से सम्मानित किया गया है।

भागलपुर निवासी सम्मेलन के आजीवन सदस्य झारखंड स्थित विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पवन कुमार पोद्दार ने १ मार्च २०२४ को धनबाद हेलीपैड पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का स्वागत किया।

सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य डॉक्टर सांवर धनानिया पिछले यात्रा में कोलकाता पधारे भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए।

कवयित्री, कलाकार और आध्यात्मिकता और संस्कृति पर लिखने वाली लेखिका अरुंधति सुब्रमण्यम को उनके कविता संग्रह के लिए 'कन्हैयालाल सेठिया पुरस्कार-२०२४' से सम्मानित किया गया है।

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

A COMPREHENSIVE SOLUTION for all your Financial Needs

200+ TEAM

PARTNER WITH US

- No Risk
- Partner for your own Location
- Continuous Support
- Not much Cost involved

TRUST = AUM CAPITAL

REACH US AT

aumcares@aumcap.com

New Delhi I Mumbai I Kolkata I Pune I Ranchi I Bangalore I Chennai I Ahmedabad

www.aumcap.com 9007632552 / AumCap

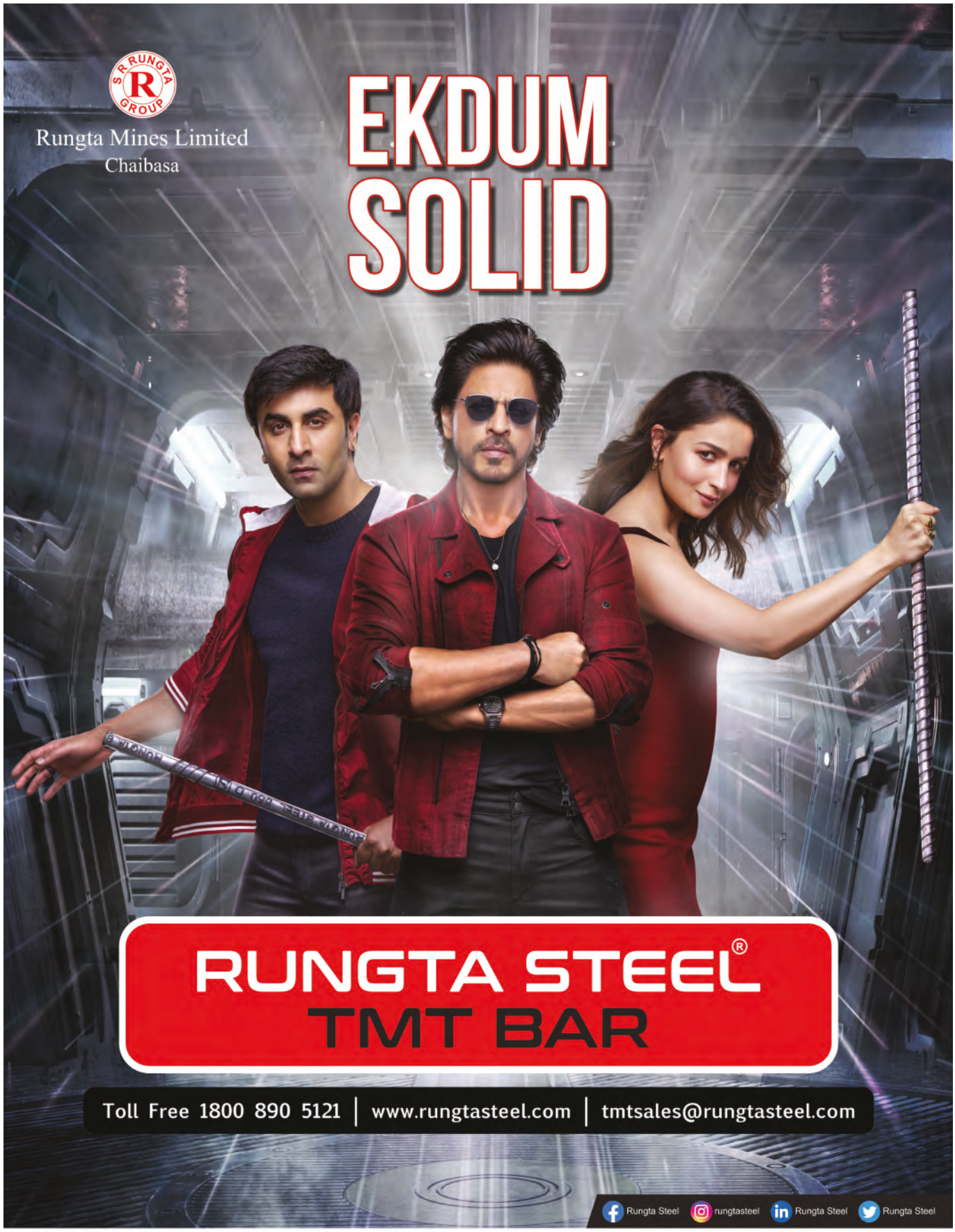

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th March, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com